दैनिक
भारत देश हमारा
मुख्य सम्पादक - जगजीत सिंह दर्दी
www.Bharatdeshhamara.com
DAILY BHARAT DESH HAMARA PATIALA

रजिस्ट्रेशन नं. पीबी/पीटीए (0273)/2024-26 PRGI (RNI) Regd. No.42376/1985 वर्ष 42 अंक 26 पटियाला सोमवार 26 जनवरी 2026 मूल्य दो रुपए कुल पृष्ठ: 8 फोन : 0175-5061948, Posted at RMS Patiala E-mail:- bdhpatiala@gmail.com

हादसे में युवक की मौत

रांची 25 जनवरी (निस) रांची-पटना राजमार्ग पर शनिवार देर रात एक सड़क हादसे में कार चालक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतक रांची के ओरमांझी, सरदार मोहल्ला निवासी धनंजय कुमार था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। धनंजय कुमार अपनी कार से रांची से पटना जा रहे थे।

वरिष्ठ पत्रकार सर मार्क टली का 90 साल की उम्र में निधन

नई दिल्ली, 25 जनवरी (निस) वरिष्ठ पत्रकार सर मार्क टली का रविवार 25 जनवरी को 90 साल की उर्म्में निधन हो गया। उनके निधन की पुष्टि बीबीसी में उनके पूर्व सहयोगी रहे सतीश जैकब ने की है। मार्क टली उस दौर के माने हुए पत्रकार थे जबकि भारत में टेलीविजन भी नहीं था।

सम्पादकीय

न्यायपालिका की विश्वसनीयता में कमी क्यों

पिछले एक दशक में भारतीय न्यायपालिका की भूमिका को लेकर लगातार गंभीर सवाल उठ रहे हैं। संविधान ने न्यायपालिका को लोकतंत्र का प्रहरी बनाकर सर्वोच्च स्थान दिया है। कार्यपालिका और विधायिका पर न्यायपालिका का संवैधानिक नियंत्रण, नागरिकों के मौलिक अधिकारों का संरक्षण, कानून और नियमों का राज, सभी के लिए समान अवसर यह सुनिश्चित करना न्यायपालिका की जिम्मेदारी है। संवैधानिक संस्थाएँ अपने दायित्व का सही ढंग से निर्बाह कर रही हैं, या नहीं। इस पर नियंत्रण रखने की मूल जिम्मेदारी न्यायपालिका की है। गणतंत्र के 76वें वर्ष में खड़े होकर जब हम देखते हैं, तो वर्तमान की तस्वीर पहले जैसी स्पष्ट और भरोसेमंद नजर नहीं आती है। पिछले कुछ वर्षों में न्यायपालिका मे भ्रष्टाचार बढ़ा है। जिस तरह के निर्णय आ रहे हैं, और टिप्पणियां हो रही हैं, उसको लेकर न्यायपालिका के ऊपर नागरिकों का दिन प्रतिदिन विश्वास घटता चला जा रहा है। बीते वर्षों में कई ऐसी घटनाएँ सामने आई हैं, जिसने न्यायपालिका की स्वतंत्रता और निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न लगाए हैं। न्यायाधीशों की नियुक्ति मे कॉलेजियम बनाम सरकार का टकराव, सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ जजों की ऐतिहासिक प्रेस कॉन्फ्रेंस, सुप्रीम कोर्ट में मनमाने तरीके से न्यायाधीशों की बेंच में मामलों की सुनवाई संवैधानिक पीठों के गठन में देरी, महत्वपूर्ण याचिकाओं को वर्षों तक लंबित रखना, राजनीतिक रूप से संवेदनशील मामलों की सुनवाई वर्षों तक लंबित रखने, आधे-अधूरे निर्णय देना, आदेश के स्थान पर टिप्पणियां करना। यह सब इस बात का संकेत देते हैं। न्यायिक व्यवस्था में विचारधारा सरकार का दबाव और भेदभावपूर्ण निर्णय देने का चलन बढ़ा है। सरकार मनमाने निर्णय ले रही है। न्यायपालिका कई मामलों में अपेक्षित निर्णय नहीं ले रही है। न्यायपालिका सरकार के प्रति वह कठोरता नहीं दिखा रही, जो संविधान और कानून नियम के अनुसार जरूरी है। नागरिकता कानून, अनुच्छेद 370, चुनावी बांड, जांच एजेंसियों की मनमानी कार्यवाही, नागरिकों की धार्मिक राजनीतिक अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता जैसे विषयों पर न्यायिक सक्रियता की धीमी गति ने न्यायपालिका के प्रति नागरिकों के विश्वास को कमजोर किया है। नागरिकों की यह धारणा बनने लगी है, न्यायपालिका पर कार्यपालिका का दबाव बढ़ गया है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों के मनमाने तरीके से ट्रांसफर किए जा रहे हैं। फैसलों को लेकर सरकार का अप्रत्यक्ष दबाव बढ़ता जा रहा है। जिसके कारण हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट से अब लोगों को न्याय नहीं मिल पा रहा है। सबसे चिंताजनक आरोप न्यायपालिका पर यह लग रहा है, कि अब अमीरों के लिए अलग न्याय और गरीबों के लिए अलग न्याय की स्थिति बनती जा रही है। जमानत के मामलों में असमानता, धार्मिक आधार पर भेदभावपूर्ण फैसले, वर्षों से जेलों में बंद विचाराधीन कैदी, प्रभावशाली आरोपियों को त्वरित राहत मिलने, चुनाव आयुक्त की नियुक्ति, एसआईआर मामले की सुनवाई में तारीख पर तारीख के बीच बिहार विधानसभा के चुनाव हो जाना, इस तरह के सैकड़ों मामले सामने आ चुके हैं। जिससे आम नागरिकों एवं न्यायविदों के मन में न्याय के प्रति अविश्वास देखने को मिल रहा है। न्यायपालिका को सरकार का संरक्षण मिलने और बदले में सरकार के हितों के प्रति नरमी दिखाने के कई फैसलों की चर्चा लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है। इस स्थिति का सीधा प्रभाव आम नागरिकों पर पड़ रहा है। न्यायपालिका पर विश्वास कमजोर होता है, तो लोकतंत्र की नींव हिलने लगती है। संविधान की रक्षा का दायित्व न्यायपालिका के ऊपर है। यही लोगों के लिए अंतिम विश्वास के रूप में बना हुआ था जो अब खंडित हो रहा है। सबसे बड़ा प्रश्न यह है, कि नागरिकों का विश्वास न्यायपालिका के प्रति कैसे बना रहे? इसके लिए न्यायिक स्वतंत्रता जरूरी है। न्यायाधीशों और न्यायालयों को वास्तविक संरक्षण प्राप्त हो, नियुक्तियों और तबादलों में पारदर्शिता बढ़ाई जाए। संवेदनशील मामलों में समयबद्ध सुनवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। गरीब और वंचित वर्ग के लिए त्वरित संवेदनशील न्याय की व्यवस्था मजबूत की जाए। न्यायाधीशों के आचरण में प्रदर्शित हो। न्यायपालिका के फैसलों में स्पष्टता हो। सुप्रीम कोर्ट पूर्व में दिए गए निर्णयों एवं संवैधानिक बेंच द्वारा दिए गए निर्णयों का वर्तमान न्यायाधीश सम्मान करें। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट द्वारा जो फैसले दिए जा रहे हैं, वह स्पष्ट हों, फैसला संविधान कानून और नियम के अनुसार किए गए हैं। यह परीलिक्षित हो। न्यायपालिका की ताकत उसकी साख में है। न्यायपालिका की साख कमजोर हुई, तो पूरा लोकतांत्रिक ढांचा संकट में पड़ जाएगा। आवश्यकता है, न्यायपालिका अपने भीतर झाँके। आत्ममंथन करे, अपने फैसलों से नागरिकों का अटूट विश्वास अर्जित करे। बिना भरोसे का न्याय औपचारिक बन जाता है। ऐसी स्थिति में लोग न्यायपालिका के स्थान पर गुंडे और बदमाशों के पास जाकर न्याय पाने की चेष्टा करते हैं। न्याय पाने के लिए राजनेताओं के पास जाने लगते हैं। ऐसी स्थिति में भीड़-तंत्र स्वयं न्याय पाने के लिए सड़कों पर उतरने लगता है। भारत की न्यायपालिका को अपनी साख बेहतर बनाने की दिशा में काम करना होगा। अन्यथा स्थिति बहुत खराब हो सकती है।

भारत का 77वाँ गणतंत्र दिवस: संविधान, उपलब्धियां एवं चुनौतियां

-सुनील कुमार महला

26 जनवरी 1950 वह दिन है जब भारत का संविधान लागू हुआ था और इसी दिन भारत एक गणतंत्र राष्ट्र बना। इससे पूर्व 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा द्वारा भारतीय संविधान को अंगीकार किया गया था। इस बार अर्थात् वर्ष 2026 में भारत अपना 77वाँ गणतंत्र दिवस मनाने जा रहा है। दूसरे शब्दों में कहें तो 26 जनवरी 1950 वह ऐतिहासिक दिन था जब भारत एक संप्रभु, समाजवादी, लोकतांत्रिक एवं धर्मनिरपेक्ष गणराज्य के रूप में विश्व पटल पर स्थापित हुआ। गणतंत्र (रि-पब्लिक) का अर्थ है-एक ऐसी शासन व्यवस्था, जिसमें सत्ता का स्रोत जनता होती है और सरकार लोकतांत्रिक प्रक्रिया द्वारा चुनी जाती है। गणतंत्र में शासन का सर्वोच्च पद प्राचीनकाल की भांति किसी राजा या महाराजा के पास नहीं होता, बल्कि इसमें संविधान ही सर्वोपरि होता है। वास्तविक अर्थों में, गणतंत्र का मतलब यही है कि संविधान वह मूल कानून है, जो नागरिकों के अधिकारों और कर्तव्यों को निर्धारित करता है। सरल शब्दों में कहा जाए तो गणतंत्र वह व्यवस्था है, जहाँ जनता का शासन कानून और संविधान के माध्यम से चलता है। संविधान का अर्थ है-देश का सर्वोच्च कानून, जिसके ऊपर कोई व्यक्ति, सरकार या संस्था नहीं होती। यही कारण है कि संविधान को देश को चलाने वाली नियम-कानूनों की सर्वोच्च पुस्तक कहा जाता है।

पाठकों को जानकारी होगी कि भारतीय संविधान विश्व का सबसे बड़ा लिखित संविधान है। यह स्पष्ट करता है कि देश कैसे चलेगा, सरकार कैसे बनेगी और कैसे कार्य करेगी, नागरिकों के मूल अधिकार और कर्तव्य क्या होंगे तथा देश में न्याय, समानता और स्वतंत्रता कैसे सुनिश्चित की जाएगी। यह कहना ग़लत नहीं होगा कि जिस देश में संविधान सुरक्षित है, वहाँ लोकतंत्र भी सुरक्षित रहता है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि भारतीय संविधान के निर्माणकर्ता और संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष डॉ. भीमराव अंबेडकर थे तथा भारतीय संविधान का मूल आधार लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता, न्याय, समानता और स्वतंत्रता है।

गणतंत्र दिवस 2026 की मुख्य थीम व उपलब्धियां-

इस वर्ष गणतंत्र दिवस 2026 की मुख्य थीम '150 वर्ष -वंदे मातरम्' रखी गई है। अर्थात् इस बार देश के राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् की रचना के 150 वर्ष पूरे होने का उत्सव मनाया जा रहा है। यह थीम बंकिम

चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ को सम्मान देती है, जो हमारे देश की संस्कृति, इतिहास और स्वतंत्रता संग्राम की भावना को अभिव्यक्त करती है। इसके अतिरिक्त वर्ष 2026 के समारोह की दूसरी महत्वपूर्ण थीम 'विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत' है, जिसका उद्देश्य वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को प्रदर्शित करना है। इस वर्ष गणतंत्र दिवस परेड की एक विशेष उपलब्धि यह है कि पहली बार यूरोपीय संघ के शीर्ष नेताओं को संयुक्त रूप से मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा तथा यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन इस अवसर पर भारत आएंगे। यह आमंत्रण भारत-यूरोपीय संघ (ईयू) संबंधों की बढ़ती मजबूती का प्रतीक है। यूरोपीय संघ यूरोप के 27 देशों का एक आर्थिक-राजनीतिक समूह है, जो आपसी सहयोग, व्यापार, अर्थव्यवस्था, शांति, लोकतंत्र, मानवाधिकारों और सीमा-रहित यात्रा जैसे विषयों पर साझा निर्णय लेता है। गणतंत्र दिवस 2026 की एक और खास बात यह है कि भारतीय सेना पहली बार कर्तव्य पथ पर एक नया 'बैटल ऐरे फॉर्मेशन' प्रस्तुत करेगी। इसके साथ ही दर्शक दीर्घाओं के नाम अब नेताओं के बजाय भारत की प्रमुख नदियों के नाम पर रखे गए हैं, जो वीवीआईपी संस्कृति के अंत और जन-प्रधान लोकतंत्र की भावना को दर्शाता है।

उभरती हुई अर्थव्यवस्था है भारत-

बहरहाल, आज भारत वैश्विक मंच पर लगातार उभरती हुई एक बड़ी शक्ति बन चुका है। वर्तमान में भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। जनवरी 2026 के ताज़ा आँकड़ों के अनुसार, भारत ने नॉमिनल जीडीपी के मामले में जापान को पीछे छोड़ते हुए यह गौरवपूर्ण स्थान प्राप्त किया है। भारत की अर्थव्यवस्था लगभग 4.18 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के पार पहुँच चुकी है और यह दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था बनी हुई है। क्रय शक्ति समानता (पीपीपी) के आधार पर भारत पहले से ही विश्व में तीसरे स्थान पर है। अब भारत का अगला लक्ष्य जर्मनी को पीछे छोड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बनना है, जिसके 2027-28 तक साकार होने की पूरी संभावना है। यह आर्थिक प्रगति मज़बूत घरेलू उपभोग, बुनियादी ढाँचे में भारी निवेश और डिजिटल क्रांति के कारण संभव हुई है।हालाँकि, 76 वर्ष पूरे करने के बावजूद आज भारतीय गणतंत्र के समक्ष कई गंभीर चुनौतियाँ भी मौजूद हैं। वास्तव में कोई भी गणतंत्र तभी जीवित रहता है जब उसके नागरिक जागरूक और सजग हों। यह अत्यंत चिंताजनक है कि वर्तमान समय में हमारे लोकतांत्रिक मूल्यों का क्षरण होता जा रहा है। संवाद, सहमति और असहमति की स्वस्थ परंपरा कमजोर पड़ रही है। मतभेद को देशद्रोह और आलोचना को विरोध मानने की प्रवृत्ति किसी भी लोकतंत्र के लिए घातक है। यह बहुत दुखद है आज संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगाए जा रहे हैं। न्यायपालिका, विधायिका, कार्यपालिका और मीडिया जैसी संस्थाओं पर दबाव और पक्षपात के आरोप गणतंत्र की नींव को चुनौती देते हैं। धर्म, जाति, भाषा और विचारधारा के आधार पर बढ़ता सामाजिक ध्रुवीकरण राष्ट्रीय एकता और भाईचारे को कमजोर करता है। नागरिक अधिकारों और स्वतंत्रताओं पर दबाव, राजनीति का अपराधीकरण, धनबल का बढ़ता प्रभाव, मीडिया और सोशल मीडिया की चुनौतियाँ-जैसे फेक न्यूज़, ट्रोल संस्कृति और प्रोपेगैंडा भी लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरे हैं। इसके साथ ही अमीर और गरीब के बीच बढ़ती खाई, सामाजिक न्याय की चुनौतियाँ और नागरिक कर्तव्यों-जैसे मतदान, कर भुगतान, पर्यावरण संरक्षण और संवैधानिक मर्यादा-के प्रति बढ़ती उदासीनता गणतंत्र को कमजोर करती है।आर्थिक दृष्टि से भी चुनौतियाँ बनी हुई हैं। हालिया रिपोर्टों के अनुसार घरेलू बचत में कमी आई है, परिवारों की बचत घट रही है और कर्ज पर निर्भरता बढ़ी है, जो आर्थिक स्थिरता के लिए चिंता का विषय है।

पर्यटन दिवस: भारत की विविधता एवं विकास का उत्सव

- कांतिलाल मांडोत

भारत में हर वर्ष पच्चीस जनवरी को राष्ट्रीय पर्यटन दिवस मनाया जाता है। इस दिवस का उद्देश्य देश की अर्थव्यवस्था में पर्यटन के महत्व और उसके सामाजिक सांस्कृतिक तथा आर्थिक प्रभावों के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना है।भारत विश्व के उन गिने चुने देशों में है जहां प्राकृतिक सौंदर्य ऐतिहासिक धरोहर आध्यात्मिक परंपरा और सांस्कृतिक विविधता एक साथ देखने को मिलती है।

राष्ट्रीय पर्यटन दिवस इन सभी विशेषताओं को सामने लाकर भारत को वैश्विक पर्यटन मंच पर सशक्त रूप से प्रस्तुत करता है। पर्यटन का उद्देश्य रोजगार और पहचान का विस्तार राष्ट्रीय पर्यटन दिवस का मुख्य उद्देश्य भारतीय पर्यटन स्थलों का प्रचार करना है। इसके साथ ही पर्यटन उद्योग से जुड़े रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देना भी इस दिवस का अहम लक्ष्य है।पर्यटन ऐसा क्षेत्र है जो ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में आजीविका के अवसर पैदा करता है।इससे होटल परिवहन हस्तशिल्प स्थानीय बाजार और सांस्कृतिक गतिविधियों को नया जीवन मिलता है।पर्यटन और भारतीय अर्थ व्यवस्था की मजबूतीबनी रहती है।आज पर्यटन भारतीय अर्थव्यवस्था का एक मजबूत स्तंभ बन चुका है।यह क्षेत्र प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से करोड़ों लोगों को रोजगार प्रदान करता है।पर्यटन के माध्यम से सरकार को हर वर्ष कर शुल्क और सेवाओं से बड़ी मात्रा में आय प्राप्त होती है।यह आय बुनियादी ढांचे सामाजिक योजनाओं और विकास कार्यक्रमों में उपयोग की जाती है।पर्यटन से बदलती तस्वीरजम्मू कश्मीर जैसे राज्य जहां औद्योगिक गतिविधियां सीमित हैं वहां पर्यटन आय का सबसे बड़ा स्रोत बन चुका है।पर्यटन से होटल टैक्स परिवहन शुल्क और स्थानीय उत्पादों की बिक्री के माध्यम से राज्य की आय

तेजी से बढ़ रही है।पर्यटन ने इन क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर पैदा किए हैं।इसके साथ ही सामाजिक स्थिरता और शांति को भी आर्थिक आधार मिला है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

और पर्यटन नीति का विकास

भारत सरकार ने स्वतंत्रता के तुरंत बाद पर्यटन के महत्व को समझ लिया था।वर्ष उन्नीस सौ अड़तालीस में पर्यटन यातायात समिति का गठन इसी सोच का परिणाम था।

वर्ष उन्नीस सौ सड़सठ में पर्यटन मंत्रालय की स्थापना के बाद पर्यटन को संस्थागत पहचान मिली।राष्ट्रीय पर्यटन दिवस इसी दीर्घकालिक नीति दृष्टिकोण का प्रतीक है।सरकारी पहलें और योजनागत प्रयासपर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने कई योजनाएं आरंभ की हैं। स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत थीम आधारित पर्यटन सर्किट विकसित किए जा रहे हैं।

अपने देश पहल ने घरेलू पर्यटन को नई दिशा दी है।राष्ट्रीय हरित पर्यटन मिशन ने पर्यावरण संरक्षण को पर्यटन नीति से जोड़ा है।कौशल विकास की कमीएक बड़ी चुनौतीबनी हुई थी।पर्यटन उद्योग एक श्रम प्रधान क्षेत्र है।इस क्षेत्र में सेवा गुणवत्ता का सीधा संबंध प्रशिक्षित मानव संसाधन से होता है।लेकिन वर्षों से प्रशिक्षित जनशक्ति की उपलब्धता पर्यटन क्षेत्र के विकास के अनुरूप नहीं रही है।इसका प्रभाव पर्यटकों के अनुभव और सेवा स्तर पर पड़ता है।संसाधनों का अतिदोहन और पर्यावरणीय दबाव अस्थिर पर्यटन प्राकृतिक संसाधनों पर अत्यधिक दबाव डालता है।भारत के हिमालयी क्षेत्रों में जल वन और भूमि संसाधन पहले से ही सीमित हैं। पर्यटन गतिविधियों के कारण मृदा क्षरण प्रदूषण और जैव विविधता को नुकसान हो रहा है। यह स्थिति भविष्य के लिए गंभीर पर्यावरणीय संकट पैदा कर सकती है।पर्वतीय राज्यों पर पर्यटन का भारजम्मू कश्मीर हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड जैसे राज्य अपनी पारिस्थितिक वहन क्षमता की सीमा तक पहुंच रहे हैं।यूपीएससी की परीक्षाओं में पूछे गए प्रश्न इस समस्या की गंभीरता को दर्शाते हैं। यदि पर्यटन विकास को संतुलित नहीं किया गया तो पर्यावरणीय क्षति अपरिवर्तनीय हो सकती है। इसलिए संरक्षण और विकास के बीच संतुलन अत्यंत आवश्यक है।बुनियादी सुविधाएं और सुरक्षा की जरूरत भारत के कई पर्यटन स्थलों पर स्वास्थ्य स्वच्छता परिवहन और सुरक्षा सुविधाएं अपर्याप्त हैं। यह स्थिति विशेष रूप से ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में अधिक दिखाई देती है।अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए आधुनिक अवसंरचना अनिवार्य है।इन क्षेत्रों में निवेश पर्यटन क्षेत्र को और मजबूत बना सकता है। जिम्मेदार औरहरित पर्यटन की दिशासतत पर्यटन का अर्थ है। ऐसा पर्यटन जो पर्यावरण समाज और अर्थव्यवस्था के बीच संतुलन बनाए।इसके लिए पर्यटन प्रबंधन से जुड़े सभी हितधारकों की जवाबदेही जरूरी है।प्राकृतिक पारितंत्र में न्यूनतम हस्तक्षेप के साथ हरित पर्यटन को बढ़ावा देना समय की मांग है। अवसंरचना आत्मीय आतिथ्य को दीर्घकालिक आधार देती है।एकीकृत पर्यटनऔर डिजिटल प्रचारदेश भर में वांछित पर्यटन स्थलों की पहचान के लिए व्यापक बाजार अध्ययन आवश्यक है।इसके आधार पर पर्यटन स्थलों का मानचित्रण किया जा सकता है।

उप्र में धर्म में आपसी मतभेद शांति से हल करने चाहिए

- संजय गोस्वामी

प्रयागराज माघ मेले में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के शिष्य और पुलिसवाले आमने-सामने आ गए। फिर जमकर धक्का-मुक्की हुई। इसके बाद शंकराचार्य शिष्यों को छुड़वाने पर अड़ गए।शंकराचार्य के शिष्य की पिटाई हुई एसओजी ने अविमुक्तेश्वरानंद के पालकी को ढकेलकर बाहर निकाला द्वारका पीठ के शंकराचार्य बोले- यह गौ हत्या जैसा पाप क्है और सभी पीठो के शंकराचार्य ने योगी सरकार के कदम का विरोध किया,उधर रामभद्राचार्य बोले- अविमुक्तेश्वरानंद ने अन्याय किया अब कौन क्या बोल रहा है इस पर शांति से काम लेना चाहिए पहली बात तो ऐ है कि कौन भगवान का सच्चा भक्त है ऐ समझ में नहीं आता है मारना पीटना किसी को भी शोभा नहीं देता सीखो भगवान राम से जिन्होंने अपने राज़धर्म में किसी जनता पर अन्याय नहीं किया राम को लेकर आए है और इसलिए हमें भी लाइए कितनी बार मैं सुन चुका हूँ लेकिन ऐसा नहीं सुना की अहम में अपने को ही भूल गए मैं ही सब कष्टों का कारण है इसे आने ना दो।पहले सभी सनातन जो हिन्दू धर्म के हित धारक होते है उनके बारे में कुछ जाने सबसे बड़ा सनातनी में सर्वोच्च भाव त्याग का होता है वो भी परमार्थ हेतु, *मैं* और *मेरा*, इस भाव का त्याग है। फल की इच्छा या भविष्य की कोई चिंता नहीं होती। कर्ताभाव नहीं होता। कोई दुनियवी इच्छा नहीं रहती। संस्कृत में सन्यासी शब्द का अर्थ होता है सम्यक + न्यास = पूर्ण रूप से छोड़ देना। फिर वह कहीं भी रहता हो जंगल या महल में। मन से सब कुछ त्याग चुका होता है। किसी में भी लिप्त नहीं रहता। यह स्थिति कोई रास्ता नहीं है। मंजिल है। इसमें स्थूल त्याग इतना महत्व नहीं रखता। भारतीय अध्यात्म और शास्त्र परंपरा में परिव्राजक और संन्यासी दोनों शब्द त्याग के मार्ग को दर्शाते हैं, लेकिन इनके सूक्ष्म अर्थ और जीवनशैली में कुछ बुनियादी अंतर हैं। इसे आसान भाषा में इस प्रकार समझ सकते हैं- 1। परिव्राजक परिव्राजक शब्द का मूल अर्थ है— निरंतर घूमने वाला (परि = चारों ओर, व्राजक = चलने वाला)। * मुख्य विशेषता- परिव्राजक वह है जिसका कोई स्थायी ठिकाना नहीं होता। वह एक स्थान पर अधिक समय तक नहीं रुकता (आमतौर पर वर्षा ऋतु को छोड़कर)। * उद्देश्य- इनका मुख्य

उद्देश्य ज्ञान का प्रसार करना और स्वयं को मोह-माया से दूर रखने के लिए किसी एक स्थान से जुड़ाव न रखना है। * एक उपमा- उन्हें बहते पानी की तरह माना जाता है जो कभी रुककर गंदा नहीं होता। 2। संन्यासी संन्यासी शब्द का मूल अर्थ है— जिसने पूर्ण त्याग कर दिया हो (सम् + न्यास)। * मुख्य विशेषता- संन्यास एक अवस्था या आश्रम है। जब व्यक्ति संसार के सभी कर्तव्यों (गृहस्थ जीवन) से मुक्त होकर स्वयं को परमात्मा या आत्म-ज्ञान के लिए समर्पित कर देता है, तो वह संन्यासी कहलाता है। * उद्देश्य- इसका मुख्य उद्देश्य मोक्ष प्राप्त करना और अहंकार का पूर्ण विनाश करना है। संन्यासी एक जगह आश्रम में रहकर भी साधना कर सकता है। दोनों में मुख्य अंतर आधार व परिव्राजक का है संन्यासी में गतिशील, निरंतर भ्रमणशील रहता है (घुमक्कड़)। 7 एक स्थान पर रुक सकता है (आश्रम या कुटिया में)। 7 परिव्रज्या यानी घर-बार छोड़कर भ्रमण करना। 7 न्यास यानी सब कुछ छोड़कर आत्मस्थ होना। 7 7 जिसकी जीवनशैली भिक्षा मांगकर और यात्रा करके जीवन बिताना होता है और ध्यान, तपस्या और शास्त्र चिंतन में लीन रहना। प्राथमिकता में वैराग्य और लोक-शिक्षा के लिए यात्रा करना और त्याग, वैराग्य और मोक्ष के लिए स्थिर साधना करना होता है । 7 आप कह सकते हैं कि हर परिव्राजक एक संन्यासी होता है, लेकिन हर संन्यासी ज्ञानी हो यह जरूरी नहीं। * यदि एक संन्यासी एक जगह बैठकर तपस्या कर रहा है, तो वह केवल संन्यासी है। * यदि वही संन्यासी गांव-गांव घूमकर ज्ञान बाँट रहा है और कहीं रुकता नहीं है, तो उसे परिव्राजक कहा जाता है। स्वामी विवेकानंद को अक्सर परिव्राजक कहा जाता है क्योंकि उन्होंने पूरे भारत की पैदल यात्रा की थी। क्या आप इन दोनों श्रेणियों में आने वाले किसी विशेष महापुरुष या उनके दर्शन के बारे में और विस्तार से जानना चाहते हैं? आचार्य तुलसी ने प्रेक्षा ध्यान को आरंभ किया जिसको अचार्य महाप्रज्ञ ने बहुत ऊंचाई प्रदान की। मैं जैनिज्म पर भी कलेक्शन कर रहा हूं कभी ना कभी पुस्तक लिखूंगा। जैन धर्म को बहुत गहराई से समझा है। उसके गुरुओं का जीवन यदि तुमको मालूम हो जाए तो तुम्हारी आंखों से आंसू आ जाएंगे इतना कष्ट कहते हैं अपने शिष्यों को सुधारने के लिए। दिगंबर ऋषि आचार्य तरुण सागर महाराज ने प्रतिज्ञा की थी तो उन्होंने तबीयत खराब होने पर दवा नहीं ली अपने प्राण त्याग दिए।शक्तिपात परंपरा का हूं उसमें तो उपवास द्वारा भी नहीं है अधिक। इसके अतिरिक्त बंधन मुक्त होने के लिए कुंडलिनी शक्ति का प्रयोग होता है। और मेरी निगाह में भी यह आवश्यक नहीं है। ईश्वर की प्राप्ति के लिए बंधन मुक्त होना है बंधन नहीं करना है लेकिन यह भी एक परंपरा है सनातन की जिसको कि हमको जानना चाहिए और हमको इन परंपराओं का भी सम्मान करना चाहिए अर्थात हम भले ही ना करें जो नहीं कर रहे हैं उनके लिए अलग बात है लेकिन जो कर रहे हैं उनका सम्मान करना चाहिए। उनके लिए कोई कष्ट देना नहीं होता है इनमें। उनके लिए यह स्वाभाविक हो जाता है। उनकी शक्ति ऐसी है। वह खुशी खुशी यह करते हैं। उनका सामर्थ्य है। लोग इसे कठोरता मानते हैं क्योंकि वह स्वयं कर नहीं सकते और करेंगे तो पीड़ा होती है इसलिए उनको लगता है कि ये जबरदस्ती से कर रहे। जबकि उनके लिए तो ये बिल्कुल स्वाभाविक है- बहुत साल पहले से चाय पीना छोड़ दिया था। कभी इच्छा भी नहीं होती। जबकि लोग चाय न पिए तो दिन खराब हो जाता है। उनके लिए यह अस्वाभाविक है लेकिन जो चाय नहीं पीते उनके लिए यह स्वाभाविक है। उनकी स्फूर्ति चाय के ऊपर आधारित नहीं है। = जैन मुनि कभी वाहन में नहीं बैठते पदयात्रा करते हैं जीवन भर हम में से कितने लोग करते हैं मॉर्निंग वॉक तो होती नहीं।

भारत जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा, किसान समृद्धि हमारा लक्ष्य

77वें गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्र के नाम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का सम्बोधन

नई दिल्ली 25 जनवरी (निस) राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर देशवासियों को संबोधित किया। राष्ट्रपति मुर्मु ने देशवासियों को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि गणतंत्र दिवस का पावन पर्व हमारे अतीत, वर्तमान और भविष्य में देश की दशा और दिशा का अवलोकन करने का अवसर होता है। स्वाधीनता संग्राम के बल पर 15 अगस्त 1947 के दिन से हमारे देश की दशा बदली, भारत स्वाधीन हुआ, हम अपनी राष्ट्र नीति के निर्माता बने। 26 जनवरी 1950 के दिन से हम अपने गणतंत्र को संवैधानिक आदर्श की दिशा में आगे बढ़ा रहे हैं। उसी दिन हमने अपने संविधान को पूरी तरह से लागू

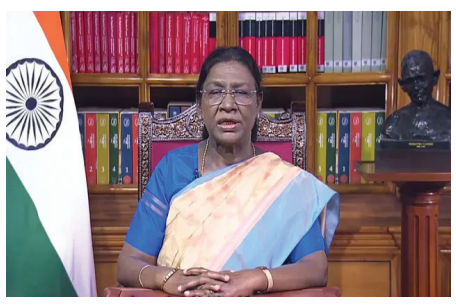

किया।

भारत भूमि उपनिवेश के विधि विधान से मुक्त हुई- राष्ट्रपति

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की जननी भारत भूमि उपनिवेश के विधि विधान से मुक्त हुई और हमारा लोक-तंत्रात्मक गणराज्य अस्तित्व में आया। हमारा संविधान विश्व इतिहास में आज तक के सबसे बड़े गणराज्य का आधारग्रंथ है। हमारे संविधान में निहित न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुता के आदर्श हमारे गणतंत्र को परिभाषित करते हैं। संविधान निर्माताओं ने राष्ट्रीयता की भावना तथा देश की एकता को संवैधानिक प्रावधानों सुदृढ़ आधार प्रदान किया है।

भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा- राष्ट्रपति

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि देश आज दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। जल्द भी ही भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा। हमारे मेहनती श्रमिक भाई-बहन राष्ट्र का नव निर्माण करते हैं। हमारे होनहार युवा और बच्चे अपनी प्रतिभा से देश के स्वर्णिम भविष्य को मजबूती प्रदान करते हैं।

देश ने सरदार पटेल की 150वीं जयंती मनाई- राष्ट्रपति

77वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि लोह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल ने हमारे राष्ट्र का एकीकरण किया। पिछले वर्ष 31 अक्टूबर को कृतज्ञ देशवासियों ने उत्साह पूर्वक उनकी 150वीं जयंती मनाई। उनकी 150वीं जयंती के पावन अवसर से जुड़े स्मरण उत्सव बनाए जा रहे हैं।

मन की बातः विश्व में भारत का संविधान सबसे अधिक गौरवमयी-पीएम मोदी

नई दिल्ली, 25 जनवरी (निस) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम के 130वें एपिसोड में देशवासियों को राष्ट्रीय मतदाता दिवस की शुभकामनाएं दीं और कहा, मतदाता लोकतंत्र की आत्मा होते हैं और मजबूत लोकतंत्र की नींव जागरूक मतदाताओं पर टिकी होती है। उन्होंने सुझाव दिया कि जिस तरह जन्मदिन मनाया जाता है, उसी तरह जब कोई युवा पहली बार वोटर बने तो पूरे मोहल्ले, गांव या शहर में उसे बधाई देकर मिठाई बांटी जानी चाहिए। इससे मतदान के प्रति जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना बढ़ेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात में सोशल मीडिया पर चल रहे 2016 की तस्वीरें साझा करने के ट्रेंड का जिक्र करते हुए कहा, कि बीते 10 वर्षों में देश ने

हर क्षेत्र में बड़े बदलाव देखे हैं। उन्होंने कहा कि आज भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन चुका है। ऐसे-ऐसे स्टार्टअप सामने आए हैं, जिनकी 10 साल पहले कल्पना भी मुश्किल थी। पीएम मोदी ने स्टार्टअप से जुड़े युवाओं को सलाम करते हुए कहा कि देश के युवाओं की सोच और मेहनत भारत को नई ऊंचाइयों पर ले जा रही है। स्टार्टअप इंडिया पर बोलते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आज एआई, स्पेस, न्यूक्लियर एनर्जी, सेमीकंडक्टर, मोबिलिटी, ग्रीन हाइड्रोजन, बायोटेक्नोलॉजी जैसे हर सेक्टर में भारतीय स्टार्टअप सक्रिय हैं। उन्होंने 'क्वालिटी' पर विशेष जोर देते हुए कहा कि इंडियन प्रोडक्ट का मतलब क्वालिटी बनना चाहिए और इसमें किसी भी तरह का समझौता नहीं होना चाहिए।

तमसा नदी जनभागीदारी का उत्तम उदाहरण-अपने संबोधन में पीएम मोदी ने जनभागीदारी के उदाहरण भी साझा किए। उन्होंने उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ की तमसा नदी का उल्लेख करते हुए कहा कि लोगों ने सामूहिक प्रयास से नदी को नया जीवन दिया है। इसी तरह आंध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले में सूखे से जूझ रहे क्षेत्र में जनसहयोग से 10 से अधिक जलाशयों को पुनर्जीवित किया गया और 7,000 से ज्यादा पेड़ लगाए गए, जिससे जल संरक्षण के साथ हरियाली भी बढ़ी है।

मलेशिया के तमिल स्कूलों का किया जिक्र-प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारतीय संस्कृति और त्योहारों की पहचान आज पूरी दुनिया में बन रही है। विदेशों में रहने वाले भारतीय अपनी भाषा और संस्कृति को आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने मलेशिया के तमिल स्कूलों, गुजरात के बेचराजी के चंदनकी गांव के कम्यूनिटी किचन, अरुणाचल प्रदेश और असम में युवाओं द्वारा स्वच्छता के प्रयासों का भी उल्लेख किया। पीएम मोदी ने कहा कि जनभागीदारी और सामूहिकता ही देश की सबसे बड़ी ताकत है।

भीषण सड़क हादसा: 7 लोगों की मौके पर दर्दनाक मौत

बनासकांठा 25 जनवरी (निस) जिले में आज एक दिल दहला देने वाली दुर्घटना सामने आई है। अमीरगढ़ तालुका के इकबालगढ़ के पास पालनपुर-आबू नेशनल हाईवे पर हुए भीषण सड़क हादसे में 7 लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि 3 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसा इतना भयावह था कि टक्कर के बाद हाईवे पर चीख-पुकार मच गई और दोनों वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, एक आइशर ट्रक तेज रफ्तार में गलत दिशा से आ रहा था। इसी दौरान सामने से आ रही यात्रियों से भरी इनोवा कार से उसकी जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रक इनोवा कार के ऊपर चढ़ गया और कार पूरी तरह चकनाचूर हो गई। कार में सवार 7 यात्रियों को बाहर निकलने **शेष पृष्ठ सात पर**

गणतंत्र दिवस की बधाई एवं अवकाश सूचना

समस्त देशवासियों को अदारा भारत देश हमारा पटियाला की ओर से गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं इस अवसर पर दैनिक भारत देश हमारा के कार्यालय 26 जनवरी दिन सोमवार को अवकाश रहेगा जिस कारण मंगलवार 27 जनवरी 2026 का अंक प्रकाशित नहीं होगा। कृप्या नोट करें।

-प्रबंधक

प्रलोभन एवं पूर्वाग्रह से दूर रहें, मतदान करते समय विवेक का प्रयोग करें-राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली 25 जनवरी (निस) राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को कहा कि उन्हें उम्मीद है कि भारतीय लोग अपने विवेक के आधार पर और प्रलोभन, पूर्वाग्रह तथा गलत सूचनाओं से दूर रहकर अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे, जिससे देश की चुनावी प्रणाली मजबूत होगी। उन्होंने चुनाव में बड़ी संख्या में मतदान करने के लिए आगे आने वाली महिलाओं की भी सराहना की। दिल्ली में आयोजित 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुर्मू ने कहा कि मतदान का अधिकार महत्वपूर्ण है, लेकिन यह

भी अनिवार्य है कि सभी नागरिक अपने संवैधानिक कर्तव्यों को ध्यान में रखते हुए इसका इस्तेमाल करें। निर्वाचन आयोग के स्थापना दिवस को पिछले 16 वर्षों से राष्ट्रीय मतदाता दिवस के रूप में मनाया जाता रहा है। संविधान सभा ने 26 नवंबर 1949 को जब भारतीय संविधान को अपनाया तो इसके 16 अनुच्छेद तुरंत प्रभाव से लागू हो गए। इनमें से एक अनुच्छेद निर्वाचन आयोग के गठन से संबंधित था। भारत के गणतंत्र बनने से एक दिन पहले 25 जनवरी 1950 को निर्वाचन आयोग अस्तित्व में आया। संविधान का शेष भाग 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ।

18 साल का होने पर जरूर दर्ज कराएं मतदाता सूची में नाम- प्रधानमंत्री मोदी-प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को देश के लोगों को राष्ट्रीय मतदाता दिवस की बधाई दी और युवाओं से 18 साल का होते ही मतदाता सूची **शेष पृष्ठ सात पर**

गणतंत्र दिवस पर 982 पुलिसकर्मियों को दिए जाएंगे सेवा मेडल, सबसे अधिक कश्मीर पुलिस को

नई दिल्ली, 25 जनवरी (निस) गणतंत्र दिवस पर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने गैलेंट्री अवॉर्ड्स और सेवा मेडल की घोषणा की है। इस बार 982 पुलिस, फायर ब्रिगेड, होम गार्ड, सिविल डिफेंस और करेक्शनल सर्विस से जुड़ें कर्मियों को अलग-अलग सेवा मेडल दिए गए हैं। इन पुरस्कारों में 125 वीरता पदक भी शामिल हैं। सबसे ज्यादा 45 वीरता पदक जम्मू और कश्मीर ऑपरेशन थिएटर में तैनात कर्मियों को दिए गए हैं।

इसके बाद नक्सल हिंसा प्रभावित क्षेत्रों के 35 और पूर्वोत्तर क्षेत्र में तैनात 5 कर्मियों को दिए गए हैं। फायर

ब्रिगेड सर्विस के 4 बचावकर्मी भी वीरता पदक विजेताओं में चुने गए हैं। जम्मू और कश्मीर पुलिस को सबसे ज्यादा 33 वीरता पदक दिए गए हैं। इसके बाद महाराष्ट्र पुलिस को 31 मेडल, यूपी पुलिस को 18 और दिल्ली पुलिस को 14 मेडल दिए गए हैं। सीएपीएफ बलों में सीआरपीएफ एकमात्र बल है जिसे 12 पदकों के साथ वीरता पुरस्कार दिए गए हैं। इस सूची में अधिकारियों और कर्मियों को 101 राष्ट्रपति विशिष्ट सेवा पदक और 756 मेधावी सेवा पदक भी ??शामिल हैं।

सेंट्रल ब्यूरो ऑफ़ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) के 31 अधिकारियों और कर्मचारियों को विशिष्ट सेवा के लिए प्रेसिडेंट पुलिस मेडल और सराहनीय सेवा के लिए पुलिस मेडल से सम्मानित किया गया है। बता दें वीरता पदक किसी व्यक्ति को वीरता के दुर्लभ असाधारण कार्य, जीवन-संपत्ति बचाने, अपराध को रोकने, अपराधियों को गिरफ्तार करने में असाधारण वीरता के लिए दिया जाता है। संबंधित अधिकारी के दायित्व-कर्तव्य को ध्यान में रखकर जोखिम का अनुमान लगाया जाता है।प्रेसिडेंट सेवा मेडल पीएसएम सेवा में विशेष विशिष्ट रिकॉर्ड के लिए दिया जाता है। वहीं मेधावी सेवा मेडल यह पद सेवा संसाधन और कर्तव्यनिष्ठा से की जाने वाली मूल्यवान सेवा के लिए दिया जाता है। गृह मंत्रालय के मुताबिक गणतंत्र **शेष पृष्ठ सात पर**

गणतंत्र दिवस को लेकर पंजाब में सख्त सुरक्षा प्रबंध, चप्पे-चप्पे पर नजर

दीनानगर 25 जनवरी (निस) गणतंत्र दिवस के मद्देनजर आज धारीवाल थाने की पुलिस ने ष्ठस्क्कुलवंत मान की लीडरशिप में स्पेशल चेकिंग अभियान चलाया। इस मौके पर स॥ह धारीवाल थाने की इंस्पेक्टर मैडम दीपिका के अलावा बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स मौजूद थी। पुलिस ने सबसे पहले धारीवाल बस स्टैंड पर बसों को रुकवाकर बसों में बैठे यात्रियों और उनके बैग की तलाशी ली। इसके बाद आने-जाने वाली कारों और मोटरसाइकिलों को भी रोककर चेकिंग अभियान शुरू किया गया। इसके बाद ष्ठस्क कुलवंत मान भारी पुलिस फोर्स के साथ धारीवाल रेलवे स्टेशन पहुंचे, जहां उन्होंने स्टेशन के आसपास घूम रहे कुछ संदिग्ध युवकों को घेरकर उनसे अच्छी तरह पूछताछ की और उनकी तलाशी ली। पुलिस कर्मियों ने रेलवे स्टेशन के डस्टबिन की भी तलाशी ली। पुलिस ने रेलवे स्टेशन पर बैठे कुछ यात्रियों के सामान की भी तलाशी ली। बातचीत के दौरान डीएसपी कुलवंत मान ने बताया कि माननीय एसएसपी गुरदासपुर के निर्देश पर 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस को ध्यान में रखते हुए धारीवाल शहर व क्षेत्र में सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए हैं।

तेजस्वी यादव बने आरजेडी के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष, कार्यकारिणी का फैसला

पटना, 25 जनवरी (निस) राष्ट्रीय जनता दल में संगठनात्मक स्तर पर बड़ा फैसला लिया है। पार्टी के वरिष्ठ नेता और बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव को आरजेडी का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया है। यह निर्णय पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में लिया गया। आरजेडी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में राष्ट्रीय महासचिव भोला यादव ने तेजस्वी यादव को राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने का प्रस्ताव रखा। प्रस्ताव पर चर्चा के बाद मौजूद सभी सदस्यों ने एकमत से

समर्थन किया, जिसके बाद तेजस्वी की नियुक्ति पर औपचारिक मुहर लग गई।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक तेजस्वी यादव की यह नई भूमिका पार्टी को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत करने की दिशा में अहम मानी जा रही है। राजनीतिक जानकारों के मुताबिक आगामी चुनावों को देखते हुए यह फैसला आरजेडी की रणनीति और नेतृत्व संरचना को नई धार देने वाला साबित हो सकता है। पटना में चल रही आरजेडी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव, और पूर्व सीएम राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव, मीसा भारती और अन्य नेता भी मौजूद थे।वहीं राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक को लेकर आरजेडी विधायक रणविजय साहू ने कहा कि राष्ट्रीय जनता दल कार्यकर्ताओं **शेष पृष्ठ सात पर**

जो हिन्दू राष्ट्र को हरा करने का सपना देखेगा उसे जिंदा दफन कर देंगे-राणे

मुंबई,25 जनवरी (निस) महाराष्ट्र की राजनीति में बयानबाजी तेज हो गई है। मंत्री नितेश राणे ने एआईएमआईएम के महाराष्ट्र अध्यक्ष इम्तियाज जलील पर

हमला बोला। यह हमला ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिममीन पार्षद सहर शेख के बयान और उस पर इम्तियाज जलील के समर्थन के बाद सामने आया है। मंत्री राणे ने कहा है कि इम्तियाज जलील शायद अपना इतिहास भूल गया है, मुगल बादशाह औरंगजेब और टीपू सुल्तान ने महाराष्ट्र को हरा करने का सपना देखा उनको इस भूमि में दफन करके हमारे छत्रपती शिवाजी महाराज और छत्रपती संभाजी महाराज ने दिखाया है। मंत्री नितेश राणे ने आगे कहा कि जो हिंदू राष्ट्र को हरा करने का सपना देखेगा उसे महाराष्ट्र का हिंदू औरंगजेब की कब्र में दफन करेगा। इस बयान के बाद राजनीतिक हलकों में काफी हलचल मच गई है। बता दें एआईएमआईएम की ओर से पार्षद सहर शेख ने एक बयान दिया था।

पंजाब के सर्वपक्षीय विकास के लिए वचनबद्ध

गणतंत्र दिवस पर पंजाब के मुख्यमंत्री का संदेश

भारत आज दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक गणराज्य होने पर गर्व महसूस करता है। स्वतंत्रता के लिए लड़े गए लंबे और ऐतिहासिक संघर्ष तथा उसके बाद 26 जनवरी, 1950 को एक अद्वितीय संविधान को अपनाने के साथ देश सही अर्थों में गणराज्य बना।आज का यह दिन अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि हमारा संविधान 26 जनवरी, 1950 को महान राष्ट्रीय नेताओं और प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों के निरंतर प्रयासों के बाद लागू हुआ था। हमारा संविधान समानताआधारित समाज में समृद्ध जीवन के महत्व को दर्शाता है और न्याय,स्वतंत्रता, समानता तथा भाईचारे के प्रमुख सिद्धांतों को स्थापित करताहै। हमारे पवित्र संविधान को लागू करने वालों ने हमें संसदीय लोकतंत्रदिया, जिसका उद्देश्य सामाजिक प्रगति के साथ-साथ सभी के लिएबेहतर जीवन और समान आजीविका के अवसर प्रदान करना है।संविधान सभा ने इस तथ्य को ध्यान में रखा कि भारत सांस्कृतिक,धार्मिक, भाषाई और क्षेत्रीय विविधताओं से समृद्ध विरासत वाला देश है।ऐसे विविधतापूर्ण देश को ऐसे संविधान की आवश्यकता थी जो वास्तवमें इस विविधता के प्रति गहरे सम्मान और आदर को दर्शाए। वयस्कमताधिकार का मूल सिद्धांत, जो संविधान की आधारशिला है, इसी सोचका परिणाम है। यह हम सभी के लिए गर्व का क्षण था क्योंकि हमेंअपने मत का उपयोग करने की शक्ति मिली। 'लोगों की सरकार, लोगोंके लिए और लोगों द्वारा' की अवधारणा ने हमारे पूर्वजों की भावनाओंऔर आकांक्षाओं को साकार किया। लगभग 75 वर्षों के दौरान, हर गुजरतेदिन के साथ देश में लोकतांत्रिक गणराज्य की विशेषताएं और सुदृढ़ हुई हैं, क्योंकि देशवासियों ने लोकतांत्रिक मूल्यों में अटूट विश्वास प्रकट कियाऔर बिना किसी भय के मतदान के अधिकार के पक्ष में स्पष्ट निर्णय दिया।भारत के स्वतंत्रता आंदोलन का नेतृत्व कुछ महान व्यक्तियों ने किया,जो धर्मनिरपेक्ष लोकतंत्र के सच्चे समर्थक थे। महात्मा गांधी जी, पंडित जवाहरलाल नेहरू, डॉ. बी. आर. अंबेडकर, शहीद-ए-आजम सरदार भगतसिंह, शहीद राजगुरु, शहीद सुखदेव, शहीद करतार सिंह सराभा सहित अनेकअन्य महान व्यक्तित्वों का इसमें अमूल्य योगदान है। हम अपने महान गुरुओं, संतों औरपैगंबरों के पदचिह्नों पर चलते हुए हर कीमत पर राज्य में सांप्रदायिकसौहार्द, शांति और सद्भाव बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं और पंजाब को सर्वांगीण विकास के मार्ग पर अग्रसर कर रहे हैं।राज्य में अभूतपूर्व विकास के युग की शुरुआत करने और पंजाब को तेज़विकास पथ पर लाने के लिए हमारी सरकार ने इसे देश के मानचित्र परअग्रणी राज्य बनाने हेतु साहसिक पहलें की हैं, जो निम्नलिखित हैं: मुख्यमंत्री सेहत योजना लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने के लिए राज्य

सरकारने 'मुख्यमंत्री सेहत योजना' शुरू की है, जो देश में अपनी तरह की पहलीयोजना है। यह योजना पंजाब के प्रत्येक परिवार को 10 लाख रुपये तक का कैशलेस चिकित्सा उपचार प्रदान करती है। यह गर्व और संतोष कीबात है कि ऐसी स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने वाला पंजाब भारत का पहला राज्य है, जिससे लोगों पर वित्तीय बोझ काफी हद तक कम होगा।इस ऐतिहासिक कदम का उद्देश्य राज्य के सभी परिवारों को व्यापक स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करना है। सभी सरकारी कर्मचारी, पेंशनभोगी और अन्य नागरिक स्वास्थ्य कार्ड के लिए पात्र होंगे, जिसे सुविधा केंद्रों औरकॉमन सर्विस सेंटरों से प्राप्त किया जा सकता है, या आधार कार्ड अथवा वोटर कार्ड के माध्यम से ऑनलाइन पंजीकरण कर प्राप्त किया जा सकता है।

युद्ध नशेयां विरुद्ध - पंजाब सरकार ने नशों की आपूर्ति श्रृंखला को तोड़ा, नशा तस्करों के सरगनाओं को जेल भेजा, नशा तस्करों के घरों को बुलडोजर चलाकर ध्वस्त किया तथा पीड़ितों के उपचार और पुनर्वास के माध्यम से पंजाबको नशा-मुक्त राज्य बनाने के लिए निर्णायक लड़ाई के रूप में 'युद्ध नशेयां विरुद्ध' शुरू किया।

गैंगस्टरां ते वार - नशों के विरुद्ध चल रही मुहिम 'युद्ध नशेयां विरुद्ध' की बड़ी सफलता के बाद, पंजाब सरकार ने अब 'गैंगस्टरां ते वार' अभियान शुरू किया है,जिसका उद्देश्य पंजाब को गैंगस्टर-मुक्त राज्य बनाना है। यह गैंगस्टरोंके विरुद्ध एक निर्णायक युद्ध है।इस व्यापक कार्रवाई के तहत 2,000 पुलिस टीमों का गठन किया गया, जिनमें 12,000 से अधिक पुलिस कर्मी शामिल थे।

खेल नीति - पंजाब सरकार ने खेलों के क्षेत्र में पंजाब की प्रतिष्ठा को पुन: स्थापित करने के लिए वर्ष 2023 में राज्य की नई खेल नीति अधिसूचित की। इस नई खेल नीति के तहत पहली बार एशियाई और ओलंपिक खेलों में देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए चयनित खिलाड़ियों को बड़ी धनराशि प्रदान की गई है।हम पंजाब को एक नए शिखर पर ले जाएंगे, जहाँ हम सभी को पंजाबीहोने पर गर्व महसूस होगा। 'रंगले पंजाब' का यह सपना कठोर परिश्रम,लगन और प्रतिबद्धता से पूरा किया जा सकता है। इसके लिए हम सभीको कमर कसनी होगी और अपनी असीम ऊर्जा को पूरी निष्ठा के साथ इस दिशा में लगाना होगा।

जय हिंद!

भगवंत मान, मुख्यमंत्री पंजाब

संविधान हमारा गर्व, प्रदेश सरकार नशे की बुराई दूर करने एवं युवा वर्ग को खुशहाल बनाने के लिए प्रतिबद्ध

77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर जनता के नाम संदेश

प्यारे पंजाब वासियो,आज 26 जनवरी के पावन अवसर पर मैं आप सभी को 77वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई देता हूँ। इसी दिन हमारा संविधान लागू हुआ और भारत एक संप्रभु, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्य बना। इस अवसर पर मैं वीरों, गुरुओं और संतों की धरती पंजाब को नमन करता हूँ तथा उन सैनिक परिवारों के प्रति श्रद्धा व्यक्त करता हूँ, जिनके वीर सपूतों ने मातृभूमि की रक्षा में सर्वोच्च बलिदान दिए। आज हम उन महान स्वतंत्रता सेनानियों को भी स्मरण करते हैं, जिनके त्याग से हमें आज़ादी मिली। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस, सरदार वल्लभभाई पटेल, पंडित जवाहरलाल नेहरू, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद सहित असंख्य देशवासियों ने भारत को स्वतंत्रता दिलाने में अमूल्य योगदान दिया। मैं शहीद भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु, चंद्रशेखर आज़ाद, करतार सिंह सराभा, मदन लाल ढींगरा, लाला लाजपत राय और गदरी बाबों सहित सभी अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ, जिनकी कुर्बानियाँ हमारे इतिहास के स्वर्णिम अध्याय हैं। आज हम संविधान सभा के सदस्यों और विशेष रूप से डॉ. बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर को भी नमन करते हैं, जिनके नेतृत्व में हमें एक सशक्त संविधान प्राप्त हुआ। साथ ही, लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल को स्मरण करते हुए उनके द्वारा 562 रियासतों के एकीकरण के माध्यम से भारत को अखंड स्वरूप

देने के महान कार्य को श्रद्धापूर्वक नमन करता हूँ। प्यारे पंजाब वासियो, पंजाब देश का एक गौरवशाली और प्रेरणास्रोत राज्य है, जिसने अपनी बहादुरी, परिश्रम और समृद्ध विरासत से भारत को सदैव दिशा दी है। सीमाओं की रक्षा से लेकर राष्ट्रनिर्माण तक पंजाबियों की भूमिका अनुकरणीय रही है। हाल की भीषण बाढ़ के दौरान भी पंजाब के लोगों ने साहस, सहयोग और सेवा-भाव से यह सिद्ध किया कि कठिन परिस्थितियों में भी पंजाब पूरे देश के लिए प्रेरणा बन सकता है। प्रदेश सरकार लोक सेवा और पारदर्शी शासन के मंत्र पर कार्य कर रही है। स्वास्थ्य क्षेत्र में 'मुख्यमंत्री सेहत योजना' के अंतर्गत जनवरी 2026 से हर परिवार को 10 लाख रुपये तक का कैशलेस इलाज मिलेगा। राज्य में 881 आम आदमी क्लीनिक और 356 हाई-टेक एंबुलेंस कार्यरत हैं। ट्यूबवेलों को 8 घंटे से अधिक निर्बाध बिजली दी जा रही है। शिक्षा के क्षेत्र में 'पंजाब शिक्षा क्रांति' के तहत 118 स्कूल ऑफ एमिनेंस स्थापित किए गए हैं। शिक्षकों को फिनलैंड और सिंगापुर में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। बेटियों के लिए 230 से अधिक वाहनों से परिवहन सुविधा उपलब्ध कराई गई है। पंजाब ने नेशनल अचीवमेंट सर्वे 2024 में पहला स्थान प्राप्त किया। सरकारी स्कूलों के 265 विद्यार्थियों ने JEE Mains, 45 ने JEE Advanced और 847 ने NEET उत्तीर्ण किया है। 'ग्रामीण लाइब्रेरी स्कीम' के तहत 275 आधुनिक पुस्तकालय स्थापित किए गए हैं और 63 हजार से अधिक सरकारी नौकरियाँ प्रदान की गई हैं। कृषि और आधारभूत ढांचा पंजाब की रीढ़ है। 1। गन्ने का 416 रुपये प्रति क्विंटलमूल्य देश में सर्वाधिक है।राज्य सरकार द्वारा श्री गुरु तेग बहादुर जी का 350वाँ शहीदी दिवस अत्यंतश्रद्धा और गरिमा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर श्री आनंदपुर साहिबमें पंजाब विधानसभा का विशेष सत्र आयोजित कर गुरु साहिब के महान जीवन, बलिदान और शिक्षाओं पर विचार-विमर्श किया गया। साथ ही, सिखतख्त साहिबानों से जुड़े श्री अमृतसर साहिब, श्री आनंदपुर साहिब और तलवंडी साबो को पवित्र नगर का दर्जा प्रदान किया गया। 'युद्ध नशों के विरुद्ध' अभियान के तहत 17 जनवरी 2026 तक व्यापककार्रवाई दौरान 31,441 मामले दर्ज हुए और 45,137 तस्कर गिरफ्तार किए गए। अंतरराष्ट्रीय सीमा पर 498 ड्रोन गतिविधियाँ पकड़ी गईं, 256 ड्रोन बरामद हुए और 299 करोड़ रुपये की संपत्ति ज़ब्त की गई। ड्रोन तस्करी पर रोक के लिए तीन बाज़ आँख एंटी-ड्रोन सिस्टम स्थापित किए गए हैं। अदालतों में 6,040 मामलों की सुनवाई हुई, जिनमें 5,317 मामलों में सजा देकर 88 प्रतिशत सजा दर हासिल की गई। साथ ही, राज्यभर में 50,433 नशा विरोधी जागरूकता बैठकें आयोजित की गईं। युवाओं को खेलों से जोड़ने हेतु 3,083 ग्रामीण खेल मैदान विकसित किए जा रहे हैं।मुझे पूर्ण विश्वास है कि इन प्रयासों से पंजाब शीघ्र ही नशे की समस्या सेमुक्त होकर अपने युवाओं को स्वस्थ, सशक्त और उज्ज्वल भविष्य की ओरले जाएगा और रंगला पंजाब की गौरवशाली पहचान पुन: स्थापित करेगा। मुझे पूर्ण विश्वास हैकि अपने परिश्रमी किसानों, कर्मठ श्रमिकों, प्रतिभाशाली युवाओं और प्रतिबद्धप्रशासन के सहयोग से पंजाब विकसित भारत के निर्माण में और अधिकप्रभावी भूमिका निभाएगा।इस अवसर पर मैं विशेष रूप से युवाओं से आह्वान करता हूँ कि वे नशे केविरुद्ध जन-आंदोलन का नेतृत्व करें और अपने जीवन को शिक्षा, कौशल, खेल, उद्यमिता और सेवा की दिशा में आगे बढ़ाएँ। एक सजग, स्वस्थ औरआत्मनिर्भर युवा ही पंजाब की सबसे बड़ी शक्ति है।इस गणतंत्र दिवस पर आइए संकल्प लें कि हम भारत को विकसित, सशक्त, आत्मनिर्भर और समावेशी राष्ट्र बनाने में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देंगे।विकसित भारत केवल लक्ष्य नहीं, बल्कि हमारी साझा राष्ट्रीय चेतना है।इन्हीं भावनाओं के साथ एक बार फिर आप सभी को **हार्दिक शुभकामनाएँ। जय हिंद!**

गुलाब चंद कटारिया,

राज्यपाल पंजाब

तेज याददाश्त के लिए बच्चों को पौष्टिक आहार दें

बच्चे की याददाश्त बचपन से ही तेज कैसे रखी जाए। यह बात सभी अभिभाव सोचते हैं। इसके लिए अधिकतर लोग बेहतर खानपान पर जोर देते हैं पर इतना ही काफी नहीं है। याददाश्त बढ़ाने के लिए आपको बच्चे के साथ कुछ छोटी-छोटी दिमागी कसरतें भी करनी होगीं।

मान लीजिये अगर आप कहीं घूमने गये हैं और वहां किसी रेस्टोरेंट में खाना खाने गए तो लौटकर उससे जुड़े सवाल करें। घर लौटने के बाद आप बच्चे से रेस्टोरेंट से जुड़ी कुछ बातें पूछिए। मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि आप जो सवाल बच्चों से पूछें उनके जवाब आपको भी याद हों। जैसे रेस्टोरेंट में आप किस और बैठे थे वहां किस रंग की फोटो लगी थी या उससे जुड़े कोई खास सवाल। ध्यान रहे ये जवाब आप को भी आने चाहिये।

लेफ्ट-राइट एक्सरसाइज याददाश्त बढ़ाने का बेहद खास तरीका है। इसमें बच्चे के सामने कई सारे खिलौने रखे होते हैं और उन्हें उन खिलौनों को दाईं या बाईं ओर रखने के लिए कहा जाता है। उदाहरण के लिए बच्चे को कुछ गेंदें दीजिए और उन्हें दाईं ओर रखी टोकरी में रखने के लिए कहिए। दूसरे दिन भी उसे गेंद को वहीं रखने के लिए कहिए, पर तीसरे दिन गेंदों को बाईं ओर रखने के लिए कह दीजिए। बच्चे का हाथ पहले दाईं ओर ही बढ़ेगा। पर, लगातार इस तरह के एक्सरसाइज से उसकी मानसिक सतर्कता और याददाश्त मजबूत होगी।'

जैसा कि आप जानती ही हैं कि अंग्रेजी में दो तरह के अक्षर होते हैं, स्वर और व्यंजन। अब पढ़ाई के बाद आपको बच्चे के साथ इन्हीं वॉवेल से जुड़ा खेल खेलना है। कागज पर एक बॉक्स बनाएं और उसमें अंग्रेजी के कुछ अक्षर लिखें। बच्चे से उन शब्दों को काटने के लिए कहें, जिसमें वॉवेल न हों। इस तरह से बच्चे की अंग्रेजी तो अच्छी होगी ही, उसकी दिमागी एक्सरसाइज भी होगी।

घर के कामों में लगाएं

किचेन में काम करते हुए बच्चे को भी काम में शामिल कीजिए। उन्हें कुकिंग से जुड़े छोटे-छोटे काम करने के लिए बोलें ताकि वो जान जाएं कि कौन-सी चीज कहां रखी है? अब अगले दिन उन्हें फिर से वही चीजें आपको रसोई से लाकर देने के लिए कहें। इससे होगा यह कि आपको पता चलेगा कि चीजें कहां रखी हैं, बच्चे को यह याद भी है या नहीं। जैसे आप बच्चे से प्याज लाने के लिए बोलिए। अगले दिन जब वो फिर यही काम करेगा तो दिमाग पर जोर डालेगा कि मां ने प्याज कहां रखे थे।

नंबर गेम का कमाल

डिजिट स्पैन मतलब वो एक्सरसाइज जो बच्चे की याददाश्त बढ़ाने में मदद कर सकती हैं। इसके लिए बच्चे के सामने कुछ अंक बोलिए और उन्हें याद करने के लिए कहिए। अगले दिन बच्चे को आपको वो सारे अंक बताने होंगे। इसके लिए फोन नंबर का इस्तेमाल किया जा सकता है। आप कोई ऐसा नंबर बच्चे के सामने बोलिए जो उसे याद कराना ही हो। अब अगले कुछ दिनों तक बच्चे से वह नंबर नियमित रूप से पूछती रहें। खेल-खेल में उसकी याददाश्त बढ़ेगी।'

इस एक्सरसाइज में बच्चा बेडरूम में ही कहीं भी अपना पसंदीदा खिलौना रख कर आएगा और दूसरे दिन उसे वहां से लेकर भी आएगा। वो भूल ना पाए, इसके लिए आपको संकेत देते रहने होंगे। बच्चे से कहिए कि वो बेडरूम की किसी खास ड्राअर में अपना खिलौना रखे। कुछ देर बाद या दूसरे दिन उससे वही खिलौना लाने के लिए बोलें। इस तरह से वो जब भी अपना सामान कहीं रखेगा तो जगह याद रखेगा। दोबारा उसे वो जगह सोचनी नहीं पड़ेगी।'

बच्चों को नुकसान पहुंचाने वाले उत्पाद न लें

घर में छोटे बच्चे हो तो हर सदस्य का ध्यान उसकी तरफ ही रहता है। बच्चे के लिए घर में कई तरह के खिलौने भी लाए जाते हैं। उसके लिए साइकिल,वॉकर,छोटे-छोटे खिलौने ला कर रख दिये जाते हैं। कई बार बच्चे के प्यार में जाने-अनजाने अभिभावक कुछ ऐसी गलतियां कर बैठते हैं,जिससे बच्चे की सेहत को नुकसान पहुंच सकता है। आपके घर में भी छोटा बच्चा है। तो इन बातों पर ध्यान देना बहुत जरूरी है। आपके लिए जानना जरूरी है कि कौन से बच्चों के उत्पाद नुकसान पहुंचा रहे हैं।

टीथर -बच्चे रंग-बिरंगे खिलौने देखकर बहुत खुश होते हैं और हर चीज को मुंह में डालते हैं। आप शायद इस बात को नजरअंदाज कर रहे हैं कि इस खिलौने से बच्चे को संक्रमण होने का डर रहता है। बच्चे को यह खिलौने देने से पहले इस पर धूल मिट्टी के कण पड़े होते हैं। जिसे बहुत से लोग बार-बार साफ नहीं करते और कई बार तो बडे लोगों के हाथ के कीटाणु भी इस पर लग जाते हैं। वाकर -बच्चा जल्दी चलना सीख

लें इसलिए ज्यादातर लोग बच्चे को वॉकर लाकर दे देते हैं। माना जाता है कि इसमें बैठकर वह जल्दी चलना सीख जाते हैं और मांसपेशियां भी मजबूत होती हैं।

बच्चों से होमवर्क करवाना सरल नहीं होता, सहजता से पेश आएं

बच्चों से होमवर्क कराना अभिभावकों के लिए कठिन टास्क होता है। सही मायने में यह किसी चुनौती से कम नहीं। बच्चे स्कूल में भले पढ़ लें, लेकिन घर पर होमवर्क कराना मां के लिए बेहद कठिन होता है। उनके पास होमवर्क न करने के तमाम बहाने होते हैं। ऐसे में कौन-सा तरीका अपनाया जाए, जिससे होमवर्क से बच्चों की दोस्ती हो जाए, यह जानना जरूरी है।

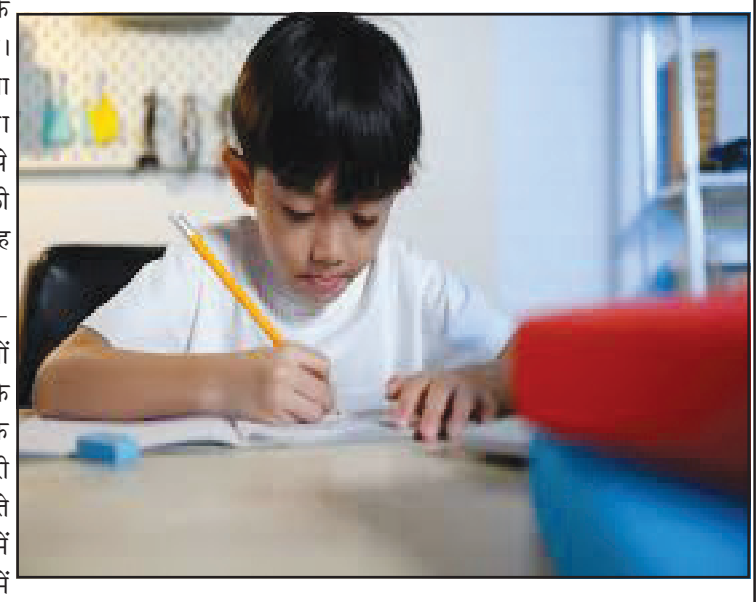

प्रेरित करें -- आमतौर पर बच्चों से काम पूरे करने के बदले अभिभावक उनकी फरमाइश पूरी करने का वादा करते हैं, लेकिन बाद में टाल देते हैं। ऐसे में बच्चे का आप पर भरोसा कम होने लगता है। उसे प्रोत्साहित करें। हमेशा अपनी सुविधा और समय का ही ख्याल न रखें, बच्चे के मूड पर भी ध्यान दें। बच्चे के साथ अपना समय बितायें।

होमवर्क की अहमियत समाझाएं--बच्चों को होमवर्क की अहमियत समझाना जरूरी है। कई अभिभावक बच्चों का होमवर्क खुद कर देते हैं। ऐसा न करें, बच्चे को उसकी जिम्मेदारी समझाएं। धीरे-धीरे उनमें होमवर्क समय पर करने की आदत पड़ेगी। कोर्स से हट कर भी किताबें उनके लिए लाएं, जो रोचक हों। खेल-खेल में पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित करें।

प्रतिदिन अभ्यास जरुरी --बच्चों की पढ़ाई का समय तय करें और उस समय उन्हें पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें। चाहे उसे स्कूल से होमवर्क मिले या न मिले, लेकिन उसके रूटीन को टूटने न दें। लिखने का प्रैक्टिस भी बहुत जरूरी है। साथ बैठे, उन्हें काम देकर रसोईघर या फोन पर बातें न करने लगें।

पढ़ाई को रोचक बनाना बहुत जरूरी है--बच्चों को समय देना बहुत जरूरी है। पढ़ाई को रोचक बनाने का प्रयास करें। जैसे अगर आप उसे बटरफ्लाई की लाइफ साइकिल के बारे में पढ़ा रही हैं, तो केवल बुक पर निर्भर न रहें, बल्कि यूट्यूब पर इससे जुड़े विडियो भी दिखाएं, रोचक जानकारियां जुटाएं, चार्ट बनाकर उनकी जानकारी बढ़ाएं।

रूटीन बनाएं, दबाव न डालें--अभिभावक बच्चों के होमवर्क के लिए परेशान हो जाते हैं, उनपर दबाव बनाते हैं। इससे बच्चों के मन में डर पैदा हो सकता है, और वे पढाई से दूर भागने लगते हैं। पढ़ने का समय तय करें और उस समय खुद को फ्री रखें।

रसायनयुक्त माउथफ्रेशनर का प्रयोग न करें

अगर आज मानते हैं कि माउथ फ्रेशनर की आवश्यकता केवल बड़ों को होती है तो अपना विचार बदल दें। इसका कारण है कि बच्चों के भी दांत खराब हो सकते हैं इसलिए हमारी तरह ही छोटे बच्चों को भी माउथ फ्रेशनर की आवश्यकता होती है पर बाजार में बिकने वाले माउथ फ्रेशनर उनके लिए नुकसानदेह हो सकते हैं क्योंकि उनमें बहुत अधिक मात्रा में रसायन होते हैं।

ऐसे में उनके लिए एक ऐसा माउथ फ्रेशनर होना चाहिए जो पूरी तरह प्राकृतिक हो और स्वाद में भी कड़वा न हो। आप चाहें तो अपने बच्चों के लिए घर पर ही माउथ फ्रेशनर तैयार कर सकती हैं। अनार के छिलकों का इस्तेमाल करके माउथ फ्रेशनर बनाया जा सकता है। ये माउथ फ्रेशनर न केवल बच्चों के लिए फायदेमंद रहेगा बल्कि बड़े भी इसका इस्तेमाल कर सकते हैं. अनार के छिलके में एंटी-ऑक्सीडेंट और एंटी-बैक्टीरियल गुण पाया जाता है, जो ओरल हेल्थ के लिए अच्छा होता है। अनार के छिलके से तैयार माउथ फ्रेशनर मुंह के अल्सर और मुंह की दुर्गंध को दूर करने का काम करता है। अनार का एंटी-माइक्रोबायल एक्टिविटी स्ट्रेपटोकोक्स म्यूटेन बैक्टीरि?या को पनपने नहीं देता है. कैसे तैयार करें अनार के छिलके का माउथ फ्रेशनर?

अनार को काटकर उसके दानों को सफाई से निकाल लें. अनार के छिलके को धूप में सूखने के लिए रख दें। जब छिलके पूरी तरह सूख जाएं तो उन्हें पीसकर पाउडर तैयार कर लें।

एक गिलास पानी में एक चम्मच इस पाउडर को मिलाकर उबालें। इसे ठंडा होने दें। जब ये घोल ठंडा हो जाए तो इस छान लें।

इस तरल को किसी जार या शीशी में भरकर रख दें। आपका माउथ फ्रेशनर तैयार है. बच्चा जब भी कुछ खाए तो उसे माउथ फ्रेशनर से मुंह साफ करने की आदत डालें। ऐसा करने से दांतों में कैविटी की समस्या भी नहीं होगी।

बच्चों के बोर्ड एग्जाम जल्द, तनावमुक्त बनाए रखें

12 वहीं बोर्ड परीक्षा छात्रों के लिए बॉर्ड परीक्षा बेहद महत्वपूर्ण होती है। पूरे साल मेहनत करने के बाद छात्रों को बॉर्ड परीक्षा देनी होती है। अगर आपकी बॉर्ड परीक्षा इस साल है, तो इन जरुरी टिप्स को जरुर फॉलो करें। सीबीएसई बोर्ड परीक्षा 2025 की डेटशीट जारी होने के बाद कई विद्यार्थियों को परीक्षा का तनाव महसूस होने लगा है। छात्रों में बॉर्ड परीक्षा को लेकर काफी चिंता तो रहती है, लेकिन कोशिश करें कि आप इसे हावी न होने दें। अन्यथा आपका परीक्षा प्रदर्शन प्रभावित हो सकता है। बॉर्ड परीक्षा के लिए पढ़ाई पर ध्यान देना जरुरी है और तनाव से दूर रहे। आप परीक्षा के बारे में चिंता करने के बजाय किसी भी तनाव को कम करने के लिए आप ये उपाय करें।

शारीरिक रुप से स्वस्थ रहे

-नियमित व्यायाम करें- व्यायाम मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ाता है और तनाव को कम करता है।

स्वस्थ आहार का सेवन- अगर आप पौष्टिक भोजन का सेवन करेंगे तो शरीर और दिमाग को शक्ति मिलती है। पर्याप्त नींद लें- हर दिन 7 से 8 घंटे की नींद लेने से तनाव कम करने में मदद मिलती है और दिमाग भी स्वस्थ रहता है।

दोस्तों और परिवार से सहयोग

परिवार का समर्थन- बॉर्ड परीक्षा की तैयारी करते समय, परिवार का सपोर्ट बेहद आसान कर देता है।

दोस्तों से सहयोग- यदि आप अपने दोस्तों के साथ समय बिताते हैं, तो पढ़ाई में काफी एनर्जी मिलती है।

शिक्षको का सहयोग- अपने टीचर के सलाह का पालन करके आप अपने विषयों को आसानी से समझ सकते है। योग और मेडिटेशन करें- योग और ध्यान के अभ्यास करने से मानसिक शांति को बढ़ावा देते हैं और तनाव के स्तर को कम करते हैं। सकारात्मक सोचे- आप जितना सकारात्मक सोचेंगे उतना ही तनाव कम होगा और आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा।

समय प्रबंधन- टाइम मैनजमेंट का अभ्यास करने से तनाव कम होता है और शिक्षा पर ध्यान केंद्रित होता है।

अभ्यास- दैनिक अभ्यास से तनाव कम होता है और आत्मविश्वास बढ़ता है।

ग्रुप स्टडी - दूसरों के साथ अध्ययन करने से तनाव कम होता है और भ्रम दूर होता है।

यदि आप बोर्ड परीक्षाओं में सफल होना चाहते हैं तो आपको तुरंत पढ़ाई शुरू कर देनी चाहिए। दो महीनों में, आप आसानी से पूरा पाठ्यक्रम पूरा कर सकते हैं, जिसके बाद आप दोहराना शुरू कर सकते हैं। इस बात का ध्यान रखें कि आप खुद पर दबाव न डालें।

समय से पहले युवा होते किशोरों में घट रही सीखने की क्षमता - समय से पहले युवा होने वाले किशोरों में सीखने की क्षमता कम होती है। आजकल जिस प्रकार मिलावट हो रही है और खानपान में रसायनों का प्रयोग बढ़ राह है उससे बच्चे समय से पहले किशोर हो रहे हैं। हाल में हुए एक ताजा अध्ययन के अनुसार युवावस्था के दौरान प्यूबर्टी (यौवन से संबंधित) हॉर्मोन सीखने की क्षमता को बाधित करते हैं।

शोधकर्ताओं के मुताबिक, इस तरह का बदलाव ये हॉर्मोन मस्तिष्क के एक खास हिस्से को प्रभावित करते हैं।बार्कले स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया में एसोसिएट प्रोफेसर व अध्ययन की मुख्य लेखक लिंडा विलब्रेख्त ने कहा,हमने पाया है कि यौवन से संबंधित हॉर्मोन मस्तिष्क के फ्रंटल कॉर्टेक्स के लिए एक लिंक की तरह काम करता है, जो सीखने की क्षमता में बाधा पैदा करता है।

विलब्रेख्त ने कहा, आधुनिक शहरी परिवेश में लड़कियां तनाव और मोटापे की समस्या के कारण समय से पहले बड़ी हो रही हैं, जो स्कूलों में उनके खराब प्रदर्शन और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ा है।

जानवरों में जब प्यूबर्टी से संबंधित हॉर्मोन इंजेक्ट किया गया, तो शोधकर्ताओं ने उनके फ्रंटल कॉर्टेक्स के तंत्रिका संचार में महत्वपूर्ण बदलाव देखा। ये बदलाव फ्रंटल मस्तिष्क में हुए, जो सीखने, ध्यान देने तथा स्वभाव के नियंत्रण से जुड़ा है। अध्ययन का नेतृत्व करने वाले लेखक ने कहा, हमारी जानकारी में यह पहला अध्ययन है, जो यह दर्शाने में कामयाब हुआ है कि यौवन से संबंधित हॉर्मोन कॉर्टेक्स के तंत्रिका संचार में बदलाव लाते हैं।

बेल्डिग स्क्रिब्नर-किडनी डायलिसिस के मुख्य आविष्कारक

- संजय गोस्वामी

बेल्डिंग स्क्रिब्नर का जन्म 18 जनवरी, 1921 को शिकागो में हुआ था और उन्होंने विलियम्स कॉलेज, यूनिवर्सिटी ऑफ़ कैलिफ़ोर्निया एट बर्कले और स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ़ मेडिसिन में पढ़ाई की, जहाँ उन्हें 1945 में रूष्ठ. की डिग्री मिली। स्टैनफोर्ड में वे डॉ. थॉमस एडिस के मार्गदर्शन में आए, जिन्होंने सबसे पहले उन्हें किडनी की बीमारी की चुनौतियों से परिचित कराया। उन्होंने सैन फ्रांसिस्को जनरल हॉस्पिटल में इंटरनल मेडिसिन में रेजिडेंसी पूरी की, जिसके बाद मेयो क्लिनिक में मेडिसिन में फेलोशिप की। मेयो क्लिनिक में रहते हुए, डॉ. स्क्रिब्नर ने पहली बार जॉन मेरिल के एक लेक्चर से कोल्फ़-ब्रिघम रोटेटिंग ड्रम आर्टिफिशियल किडनी के अनुभव के बारे में सुना। बेल्डिंग एच स्क्रिब्नर ने एक ऐसे डिवाइस का आविष्कार किया, जिसका श्रेय दुनिया भर में किडनी फेलियर वाले दस लाख से ज़्यादा मरीज़ों की जान बचाने को जाता है। हालाँकि शुरुआत में उनके काम का मज़ाक उड़ाया गया था, लेकिन यह उनके आविष्कार की असाधारण सफलता ही थी जिसने एक बड़े नैतिक दुविधा को जन्म दिया। मशहूर रॉबर्ट विलियम्स द्वारा सिएटल में भर्ती किए जाने के बाद, वे 1951 में वाशिंगटन यूनिवर्सिटी में फैकल्टी में शामिल हुए और 1958 में उस संस्थान में नेफ्रोलॉजी डिवीजन के पहले प्रमुख बने, इस पद पर वे 24 साल तक रहे। वे 1990 में वाशिंगटन यूनिवर्सिटी में एमेरिटस प्रोफेसर ऑफ़ मेडिसिन बने और 1984 से 1991 में अपनी रिटायरमेंट तक बेल्डिंग एच. स्क्रिब्नर एंडाउड चेयर इन मेडिसिन के पद पर रहे। रिटायरमेंट के बाद, वे कई सालों तक हर हफ़्ते नेफ्रोलॉजी डिवीजन में लौटते रहे ताकि मेडिकल छात्रों को अपनी बहुत लोकप्रिय फ्लूइड और इलेक्ट्रोलाइट बैलेंस क्लास पढ़ाते रहें। नेफ्रोलॉजी में डॉ. स्क्रिब्नर का योगदान उस काम से कहीं ज़्यादा था जिसने पहली बार क्रोनिक डायलिसिस को संभव बनाया। आने वाले सालों में, उन्होंने इस नई टेक्नोलॉजी को दुनिया भर के डॉक्टरों के साथ उत्साह से साझा किया, जो अपने मरीज़ों को क्रोनिक डायलिसिस कैसे देना है, यह सीखने के लिए सिएटल आए थे। उन्होंने अपने प्रोडक्टिव करियर का बाकी समय एंड-स्टेज रीनल केयर के कई पहलुओं पर अथक प्रयास करते हुए बिताया, जिसमें डायलिसिस ट्रीटमेंट की टेक्नोलॉजी में सुधार से लेकर सामान्य मेडिकल और सामाजिक मुद्दे शामिल थे जो एंड-स्टेज रीनल बीमारी वाले मरीज़ों की इस नई और बढ़ती आबादी के कारण पैदा हुए थे। वे और वाशिंगटन यूनिवर्सिटी में उनके ग्रुप ने क्रोनिक रीनल फेलियर वाले मरीज़ों को होने वाली कई मेडिकल समस्याओं, जैसे एनीमिया, रीनल ऑस्टियोडिस्ट्रॉफी और तेज़ कार्डियोवैस्कुलर बीमारी, को परिभाषित करने और उनके सफल इलाज को डिज़ाइन करने में सबसे आगे थे। उन्होंने होम हेमोडायलिसिस/सेल्फ केयर की शुरुआत की। रात भर पेरिटोनियल डायलिसिस के लिए नई मशीनों के विकास के साथ इंटरमिटेंट पेरिटोनियल डायलिसिस को एक उपचार पद्धति के रूप में बेहतर बनाया गया। टेंकऑफ कैथेटर को हेनरी टेंकऑफ ने वाशिंगटन विश्वविद्यालय में डॉ. स्क्रिब्नर के

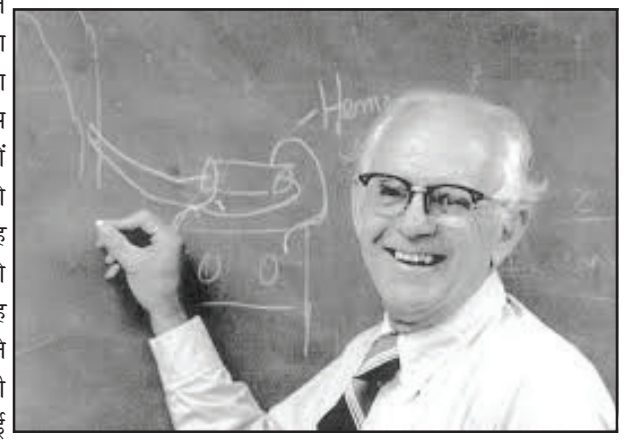

कार्यक्रम में काम करते हुए विकसित किया था। डॉ. स्क्रिब्नर के कृत्रिम आंत के विजन से सिएटल में ब्रोवियाक-हिकमैन, बाद में हिकमैन, कैथेटर का विकास हुआ और यह आज की रूटीन टोटल पैरेंट्रल न्यूट्रिशन थेरेपी का आधार बना। डॉ. स्क्रिब्नर का दृढ़ विश्वास था कि डायलिसिस मुख्य रूप से अस्पताल के बाहर किया जाना चाहिए, इसे कभी भी लाभ के लिए नहीं किया जाना चाहिए, और यह सार्वभौमिक रूप से उपलब्ध होना चाहिए। न तो स्क्रिब्नर शंट, और न ही इसके बाद डायलिसिस में हुए किसी भी तकनीकी विकास का कभी पेटेंट कराया गया। 1962 में, किंग काउंटी मेडिकल सोसाइटी के तत्कालीन अध्यक्ष डॉ. जेम्स हैविलैंड के साथ मिलकर, डॉ. स्क्रिब्नर ने संयुक्त राज्य अमेरिका में पहली गैर-लाभकारी, आउट पेशेंट डायलिसिस सुविधा, सिएटल आर्टिफिशियल किडनी सेंटर की स्थापना की, जो तब से बढ़कर अभी भी गैर-लाभकारी नॉर्थवेस्ट किडनी सेंटर बन गया है, जिसमें 12 सैटेलाइट सुविधाएं हैं जो सिएटल/प्यूगेट साउंड क्षेत्र में 1000 से अधिक रोगियों का डायलिसिस करती हैं। 1962 में, उन्होंने दुर्लभ और बहुत महंगी डायलिसिस संसाधनों के आवंटन के संबंध में निर्णय लेने के लिए पहली गुमनाम आम समिति की स्थापना में भी मदद की, ताकि उनसे सबसे अधिक लाभ उठाने वालों को इसका फायदा मिल सके। एक जटिल नैतिक मुद्दे से निपटने के इस तंत्र को अक्सर बायोएथिक्स के आधुनिक अनुशासन की शुरुआत के रूप में जाना जाता है, और डॉ. स्क्रिब्नर को बायोएथिक्स का जनक कहा जाता है। अंत में, वाशिंगटन के सीनेटर हेनरी जैक्सन और वॉरेन मैग्नसन के समर्थन से, डॉ. स्क्रिब्नर ने 1972 में कांग्रेस को मेडिकेयर एंड-स्टेज रीनल डिजीज प्रोग्राम बनाने वाला कानून पारित करने के लिए राजी करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसने यह सुनिश्चित किया कि सभी अमेरिकियों को जिन्हें इसकी आवश्यकता थी, उन्हें क्रोनिक डायलिसिस थेरेपी तक पहुंच मिलेगी। अपने पूरे करियर और रिटायरमेंट के दौरान, स्क्रिब ??एक पक्के आविष्कारक थे, जिन्होंने न केवल डायलिसिस तकनीक में सुधार पर लगातार काम किया, बल्कि सिएटल में अपने हाउसबोट के डेक से अपने प्यारे रेडियो-नियंत्रित मॉडल हवाई जहाज उड़ाने पर भी काम किया, जिसे वह अपनी पत्नी एथेल के साथ साझा करते थे। लास्कर अवॉर्ड के अलावा, उन्हें और भी सम्मान मिले, जिनमें अमेरिकन सोसाइटी ऑफ़ आर्टिफिशियल इंटरनल ऑर्गन्स (1964) और अमेरिकन सोसाइटी ऑफ़ नेफ्रोलॉजी (1978) के प्रेसिडेंट के तौर पर काम करना, इंस्टीट्यूट ऑफ़ मेडिसिन की मेंबरशिप, और अमेरिकन कॉलेज ऑफ़ फिजिशियन और रॉयल कॉलेज दोनों में फेलोशिप शामिल हैं।डॉक्टरों, और कई पुरस्कारों के प्राप्तकर्ता, जिनमें अमेरिकन सोसाइटी ऑफ़ नेफ्रोलॉजी से जॉन पीटर्स पुरस्कार, इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ़ नेफ्रोलॉजी से जीन हैम्बर्गर पुरस्कार, नेशनल किडनी फाउंडेशन से डेविड ह्यूम पुरस्कार, अमेरिकन किडनी फंड से टॉर्चबियरर पुरस्कार, गार्डनर फाउंडेशन से एक पुरस्कार, और कई अन्य शामिल हैं।

चौधरी सर छोटू राम के नाम पर एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी बननी चाहिए

हरियाणा, हिमाचल और पंजाब को फिर से एक करना चाहिए : सिमरनजीत सिंह मान

करनाल, 25 जनवरी (संदीप/रविन्द्र) : शिरोमणि अकाली दल (अमृतसर) के प्रेसिडेंट स. सिमरनजीत सिंह मान ने कहा कि सर छोटू राम और मेरे बड़े लेफ्टिनेंट कर्नल एस. जोगिंदर सिंह मान दोनों पुराने पंजाब की लाहौर असेंबली में साथ रहते थे। कर्नल जोगिंदर सिंह मान 1937 में जीते थे और चौधरी साहब ने एग्रीकल्चर मिनिस्टर रहते हुए किसानों और आम लोगों के हक में बड़ी पहल की थी और उस समय सरकारी लेवल पर किसानों का पूरा कर्ज माफ करके किसान वर्ग से अपने बिजनेस को आगे बढ़ाने और अपने परिवारों की इकॉनमी को मजबूत करने में बहुत मदद मिली थी। वे सभी वर्गों के बीच बहुत इज्जतदार और पॉपुलर पर्सनैलिटी थे। उस समय

पंजाब की पूरी आबादी बहुत आरामदायक माहौल में रह रही थी। क्योंकि राज समय लोग सरकारी जिम्मेदारियों से खुश और संतुष्ट थे। लेकिन देश के बंटवारे के बाद पुराने पंजाब की पूरी आबादी का आरामदायक की कमी आज भी महसूस होता है। यह दुख और अफसोस की बात है कि बंटवारे के बाद पंजाब का जो इलाका दिल्ली यमुना से लेकर जम्मू-कश्मीर, लेह लद्दाख और अफगानिस्तान तक का हिस्सा था, हमारा इलाका भी हरियाणा और हिमाचल में बंट जाने से कम हो गया जो शासकों ने अपने राजनीतिक और स्वार्थी मकसद पूरे करने के लिए किया। जिससे न सिर्फ पंजाब बल्कि हरियाणा और हिमाचल के लोगों को भी बड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। हमारी दिली इच्छा है कि पंजाब, हरियाणा और हिमाचल मिलकर एक बड़ा राज्य बनें ताकि हम पहले की तरह एक-दूसरे का साथ देकर अपनी सभी आर्थिक, सामाजिक और धार्मिक दिक्कतों को दूर कर सकें। उन्होंने कहा कि चौधरी सर छोटू राम जी की खुली सोच और इंसानियत की पहल को याद करते हुए उन्होंने देश के बंटवारे के बाद पंजाब को हरियाणा और हिमाचल में बांटकर छोटा करने के नेताओं के कामों पर अफसोस जताया और उन्हें फिर से एक करने की इच्छा जताई। स.मान ने कहा कि अगर हिमाचल-हरियाणा के साथ-साथ जम्मू-कश्मीर और पाकिस्तान का पंजाब एक हो जाएं तो दक्षिण एशिया का यह राज्य और खुशहाल और आर्थिक रूप से मजबूत होगा और डेमोक्रेसी और शांति बनाए रखने में भी मददगार होगा। स. मान ने सलाह देते हुए कहा कि सर चौधरी छोटू राम जी की महान शख्सियत और उनके द्वारा पहले हर वर्ग के लिए किए गए कामों को ध्यान में रखते हुए उनके नाम पर एक एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी बनाई जानी चाहिए जिसमें हरियाणा, हिमाचल, पंजाब और नॉर्थ चंडीगढ़ के लोगों को नई लीडरशिप मिलेगी और आपसी प्यार भी बहुत बढ़ेगा। इस यूनिवर्सिटी में पानी के बहाव के मुद्दे पर भी गहरी ट्रेनिंग दी जाएगी जिससे सिंधु, झेलम, रावी, ब्यास और सतलुज के पानी का सही इस्तेमाल और मैच्योरिटी के साथ हो सकेगा और सभी को पानी की बड़ी कीमत की गहरी समझ मिलेगी। यह यूनिवर्सिटी घग्गर नदी से हो रहे नुकसान से छुटकारा पाने के तरीके भी निकाल पाएगी, जो अक्सर बारिश के मौसम में हरियाणा और पंजाब के गांवों में जान-माल का नुकसान करती है। यहां यह भी बताना ज़रूरी है कि मेरे ऑफिस में मेरे बड़ों की एक यादगार जॉइंट फोटो भी लगी हुई है, जिनके सर चौधरी छोटू राम के साथ दोस्ताना रिश्ते थे, जो नीचे दी जा रही है। हरियाणा यूनिट के प्रेसिडेंट हरजीत सिंह विर्क ने कहा कि हमें सर छोटू राम की पॉलिसी को फॉलो करके काम करना चाहिए, जैसे सर छोटू राम सबकी भलाई के लिए काम करते रहे वैसे ही हमें भी सबको साथ लेकर चलना चाहिए और सबकी भलाई के लिए काम करते रहना चाहिए।

जिलाध्यक्ष प्रवीण लाठर के नेतृत्व में मनाया गया सीएम नायब सैनी का जन्मदिन

मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में हरियाणा कर रहा नए कीर्तिमान स्थापित : प्रवीण लाठर

करनाल, 25 जनवरी (सुमन लता) : हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह के जन्मदिन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत भाजपा के कई बड़े नेताओं ने उन्हें शुभकामनाएं दी हैं। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्री सैनी के जनसेवा के प्रति उनके समर्पण भाव की भी प्रशंसा की। मुख्यमंत्री नायब सैनी के जन्मदिवस के अवसर पर आज करनाल भाजपा जिलाध्यक्ष प्रवीण लाठर के नेतृत्व में करनाल के अपना आशियाना में हरियाणा के यशस्वी मुख्य मंत्री नायब सैनी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में केक काटकर एवं लड्डू बांटकर खुशी का इजहार किया

एवं इस अवसर पर उनके उज्जवल भविष्य,लम्बी आयु एवं अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। इस मौके पर उनके जीवन पर प्रकाश डालते हुए जिलाध्यक्ष ने बताया कि सीएम नायब सिंह का जन्म जिला अंबाला के मिर्जापुर माजरा गांव में एक साधारण किसान परिवार के घर 25 जनवरी 1970 को हुआ था। उन्होंने डॉ. बीआर अंबेडकर, बिहार यूनिवर्सिटी मुजफ्फरपुर से स्नातक की डिग्री प्राप्त की और चौ. चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ से एल.एल.बी. की डिग्री हासिल की। जिलाध्यक्ष प्रवीण लाठर ने मुख्यमंत्री को जन्मदिन की बधाई देते हुए एवं उनकी तारीफ करते हुए कहा कि आज देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन और मुख्य मंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में हरियाणा प्रगति के नित नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। विकसित हरियाणा के संकल्प के साथ जनसेवा के पति आपका अटूट समर्पण हम सभी के लिए अनुकरणीय है। ईश्वर से प्रार्थना है कि आप सदा स्वस्थ और दीर्घायु रहे। आपके नेतृत्व में प्रदेश निरंतर विकास की नई ऊंचाइयों को छूता रहे। इस अवसर पर उनके साथ शहरी मंडल अध्यक्ष मोहन लोधी,पार्षद सोनू, नवीन बत्रा,मोनिक गर्ग, गौरव नागपाल पूर्व मंडल अध्यक्ष बिशन सिंह शेखावत,पूर्व अर्बन मंडल अध्यक्ष सुनील गुप्ता, राहुल भटनागर सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

हर आयुवर्ग के उत्थान को संकल्पित मुख्यमंत्री सैनी : डॉ अरविंद शर्मा

सोनीपत, 25 जनवरी (ब्यूरो) : सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी आमजन के हितों को समर्पित व्यक्तित्व हैं, जो हर आयुवर्ग के उत्थान को समर्पित रहते हैं। उन्होंने अपनी कार्यशैली और मेहनती व्यवहार से प्रदेश के पौने तीन करोड़ नागरिकों का मन जीता है, यही कारण है कि आज प्रदेश के कोने-कोने में आमजन उनकी लंबी उम्र की कामना कर रहा है।

रविवार को सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के जन्मदिन पर गोहाना भाजपा कार्यालय में हवन यज्ञ में पूर्णाहुति डाली व कार्यकर्ताओं संग केक काटा। इसके उपरांत नई सब्जी मंडी परिसर में राजकुमार शर्मा द्वारा आयोजित 21 कुंडीय महायज्ञ एवं भण्डारे में शिरकत करते हुए पूर्णाहुति डाली व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के उत्तम स्वास्थ्य एवं व दीर्घायु की कामना की। सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि आज प्रदेश की 36 बिरादरी, हर वर्ग मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के जन्मदिन को धूमधाम से मना रहा है। भाजपा की सबका साथ-सबका विकास विचार को प्रदेश में मजबूती से आगे बढाते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी दिन रात आमजन की समस्याओं का निदान कर रहे हैं। सन्त कबीर कुटीर के 24 घण्टे खुले द्वार उनकी जनभावनाओं के प्रति गहरी आस्था और जिम्मेदारी को दर्शाती है। कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा 217 संकल्प लिए गए, जिसमें से 56 संकल्प पूरे किए जा चुके और बाकी संकल्पों पर तेजी से काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गरीब, वंचित, जरूरतमंद के उत्थान की बात हो या लाडो बहनों को पण्डित दीनदयाल उपाध्याय लाडो लक्ष्मी योजना के माध्यम से आर्थिक संरक्षण देना, इसके लिए मुख्यमंत्री ने अपने किए वायदे को जिम्मेदारी से निभाया है। सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने गोहाना भाजपा कार्यालय में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम के 130वें संस्करण को कार्यकर्ताओं संग सुना। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस कार्यक्रम के माध्यम से हर वर्ग को छूने व उसके उत्थान के लिए प्रयासरत रहते हैं। वर्ष 2025 में देश को विकसित भारत बनाने के संकल्प के साथ-साथ स्वदेशी अभियान को बढ़ावा देने का काम किया। कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि देश को आर्थिक मोर्चे पर मजबूत करने के साथ-साथ युवाओं में आत्मविश्वास भरने का काम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया जा रहा है। मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से हमें युवाओं के साथ जुडक़र उन्हें आगे बढाने व उन्हें प्रेरित करने पर जोर देना चाहिए।

राजनीति का अर्थ सत्ता भोग नहीं बल्कि जनसेवा : कल्याण

गांव नगला चौंक में 80 लाख रुपये की लागत से सामुदायिक केंद्र का किया शिलान्यास

घरौंड़ा, 25 जनवरी (नरेंद्र लाठर) : हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने आज नगला चौक पर 80 लाख रूपये की लागत से बनने वाले सामुदायिक केंद्र का शिलान्यास किया। इससे पहले उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम के 130 वें एपिसोड को सुना। इस दौरान पार्टी कार्यकर्ता व बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। गांव में पहुंचने पर विधानसभा अध्यक्ष का फूल मालाओं के साथ जोरदार स्वागत किया गया। इस अवसर पर हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि सत्ता का अर्थ शक्ति नहीं, बल्कि जनता की निस्वार्थ सेवा है। वर्तमान सरकार ने राजनीति की परिभाषा बदल दी है, जहां अब राजनीति का

अर्थ सत्ता भोग नहीं बल्कि जनसेवा है। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले यमुना बेल्ट के गाँवों की हालत दयनीय थी, गलियां कच्ची थीं और लोगों को केवल वोट बैंक समझा जाता था। हमने इस इलाके को वोट बैंक समझने के रिवाज को बदला है और पिछले 11 वर्षों में सड़कों का जाल, नए स्कूल, कॉलेज, आईटीआई और शुगर मिल जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स देकर विकास को नई गति दी है। उन्होंने ग्रामीणों को कहा कि गांव में 2 चौपालों की मंजूरी मिल गई है। जल्द ही टेंडर व अन्य प्रक्रियाओं के बाद इनका कार्य शुरू कर दिया जाएगा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का जिक्र करते हुए कहा कि एक गरीब परिवार से निकले प्रधानमंत्री ने ही गरीबी का दर्द समझा है। आज बिना खर्ची-पर्ची के मेरिट पर नौकरियां मिल रही हैं। आज गरीब का बच्चा बिना किसी सिफारिश या रिश्वत के, केवल मेरिट के आधार पर सरकारी अधिकारी बन रहा है। इसके साथ ही आयुष्मान योजना के तहत 5 लाख रूपये तक का मुफ्त इलाज व लखपति दीदी जैसी योजनाओं का लाभ सीधा जनता के खातों में पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता हर नागरिक की जिम्मेदारी है। सरकार ग्रांट देती है, लेकिन गांवों को साफ रखना युवाओं और पंचायतों का कर्तव्य है। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों को अच्छे संस्कार देने और उनकी पढ़ाई पर विशेष ध्यान देने की अपील की ताकि वे एक बेहतर इंसान बन सकें। उन्होंने कहा कि 2014 की तुलना में आज फसलों के दाम लगभग दोगुने हो चुके हैं। जी राम जी योजना के तहत सरकार द्वारा 125 दिन के रोजगार की गारंटी दी गई है। अब सरकार ऐसा नियम लेकर आई है,जिसमें रजिस्ट्रेशन होने पर काम न मिलने पर भी पैसा दिया जाएगा। श्री कल्याण ने स्पष्ट किया कि विकास कार्यों पर खर्च होने वाला पैसा जनता की खून-पसीने की कमाई है, जिसे पूरी ईमानदारी से जनता की सुविधाओं पर ही खर्च किया जा रहा है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि आने वाले समय में रिंग रोड और एनसीसी एकेडमी जैसे प्रोजेक्ट्स इस इलाके की तस्वीर पूरी तरह बदल देंगे।

सब की सेवा -रब की सेवा ट्रस्ट करेगा गणतंत्र दिवस पर ध्वजारोहण और चाय ब्रेड पकौड़े का भंडारा

पंचकूला,25 जनवरी (सतीश मंगला): ट्राइसिटी की प्रसिद्ध धार्मिक एवं सामाजिक संस्था सब की सेवा -रब की सेवा ट्रस्ट से एडवोकेट संजय कुमार जैन एवं दिनेश गुप्ता ने विशेष जानकारी मे बताया कि सभी भारतवासियों के लिए 26 जनवरी गणतंत्र दिवस बहुत विशेष दिन है। इस दिन भारत को अपना स्वयं का संविधान

मिला। जिससे की सभी व्यक्तियों को कानूनी सहायता प्रदान हो एवं और उनके साथ किसी के द्वारा किसी प्रकार की हानि न हो। ट्रस्ट हर वर्ष 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के विशेष दिन पर ध्वजारोहण एवं भंडारे का कार्यक्रम करता रहा है। ओर आगे भी करता रहेगा। एडवोकेट संजय कुमार जैन एवं दिनेश गुप्ता ने बताया ट्रस्ट द्वारा पंचकुला सैक्टर 5 यवनिका पार्क में प्रात: 7.30 बजे ध्वजारोहण किया जाएगा, उसके उपरांत ट्रस्ट के सदस्य एवं सुप्रभात ग्रुप के मित्रो के संग राष्ट्रगान किया जाएगा। वहां उपस्थित सभी को चाय ब्रेड पकौड़े का वितरण किया जाएगा।इस अवसर पर एडवोकेट संजय कुमार जैन, राकेश बिहारी गुप्ता, दिनेश गुप्ता, एस एस चौहान, विशाल गोयल (सोनू), विजय कपूर, तरसेम सिंह सैनी, सुखपाल एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

गणतंत्र दिवस पर दिखेगा हरियाणा पुलिस के जवानों का जलवा

बाइक स्टंट और भव्य मार्च पास्ट मन मोह लेगा

पंचकूला,25 जनवरी (सतीश मंगला): गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों के तहत आज आयोजित फूल ड्रेस रिहर्सल के दौरान हरियाणा पुलिस के जांबाज जवानों ने अनुशासन, साहस और कौशल का शानदार प्रदर्शन कर सभी का ध्यान आकर्षित किया। रिहर्सल के दौरान पुलिस जवानों ने बाइक पर हैरतअंगेज स्टंट दिखाकर अपनी

दक्षता और साहस का परिचय दिया, जिसे देख उपस्थित अधिकारी और दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। इसके साथ ही फूल ड्रेस रिहर्सल के दौरान निकाले गए भव्य और सुसंगठित मार्च पास्ट ने परेड की गरिमा को और बढ़ा दिया। इस अवसर पर जवानों द्वारा सामूहिक रूप से प्रस्तुत की गई मास पीटी ने उनकी शारीरिक क्षमता, एकजुटता और अनुशासन को दर्शाया। पूरी रिहर्सल के दौरान परेड ग्राउंड देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया। उल्लेखनीय है कि गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह के दौरान आयोजित होने वाली इस भव्य परेड का नेतृत्व परेड़ कमांडर प्रतीक अग्रवाल, एएसपी रोहतक द्वारा किया जाएगा। प्रशासन द्वारा समारोह को सफल और यादगार बनाने के लिए सभी तैयारियां अंतिम चरण में हैं। 26 जनवरी को आयोजित होने वाले मुख्य समारोह में माननीय राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष बतौर मुख्य अतिथि ध्वजारोहण करेंगे और परेड़ का निरीक्षण भी करेंगे।

बाबा गैबी साहब मंदिर नरवाना का वार्षिकोत्सव 1 फरवरी से, तैयारियां जोरों पर

महंत अजय गिरी जी महाराज ने बैठक बुलाकर विभिन्न संस्थाओं को सौंपी जिम्मेदारियां

नरवाना, 25 जनवरी (नरेन्द्र सिंहमार): नगर के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल बाबा गैबी साहब मंदिर का वार्षिकोत्सव इस वर्ष भी श्रद्धा और धूमधाम

के साथ मनाया जाएगा। वर्ष 2026 का वार्षिकोत्सव 1 फरवरी से आरंभ होने जा रहा है जिसको लेकर तैयारियां अंतिम चरण में हैं।इसी क्रम में मंदिर प्रांगण में महंत अजय गिरी महाराज की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में शहर की विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं को स्वागत द्वार, सजावट, सुरक्षा व अन्य व्यवस्थाओं की जिम्मेदारियां सौंपी गईं। महंत अजय गिरी महाराज ने सभी से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि यह उत्सव केवल मंदिर का नहीं बल्कि पूरे शहर की आस्था का प्रतीक है।वार्षिकोत्सव के शुभारंभ अवसर पर 1 फरवरी दोपहर 2 बजे भव्य शोभायात्रा एवं कलश यात्रा निकाली जाएगी जो सनातन धर्म मंदिर से प्रारंभ होकर पंजाबी चौक होते हुए बाबा गैबी साहब मंदिर प्रांगण में संपन्न होगी।इसके पश्चात प्रतिदिन दोपहर 2 बजे भागवत कथा का आयोजन किया जाएगा जिसमें कथावाचक धर्मपाल अपने मुखारविंद से श्रद्धालुओं को कथा रसपान कराएंगे।वार्षिकोत्सव का समापन 8 फरवरी को प्रात: हवन-यज्ञ के साथ होगा, जिसके बाद श्रद्धालुओं के लिए विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। बैठक में शेरा मोर, तरसेम शर्मा, सुभाष चहल, भारत भूषण, माला चोपड़ा, बीरबल शर्मा, पार्षद आशुतोष शर्मा, कर्मवीर सैनी, सतीश सैनी, विकास मित्तल, सतीश सेतिया, भूरा मोर, काकू शर्मा, रमेश मोर, पंडित विकास पुजारी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

देवी मंदिर में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के जन्मदिन पर हवन का आयोजन

- विधायक रामकुमार कश्यप ने हवन में आहुति डाल की दीर्घायु की कामना

इन्द्री, 25 जनवरी (बिशपाल राणा) : हरियाणा के यशस्वी मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के जन्मदिन के अवसर पर इन्द्री देवी मंदिर में हवन यज्ञ

किया गया। विधायक एवं गवर्मेंट चीफ व्हिप रामकुमार कश्यप ने आहुति डाल कर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और यशस्वी नेतृत्व के लिए मंगल कामना की। इस मौक पर विधायक रामकुमार कश्यप ने कहा कि आज का दिन प्रदेश के लिए हर्ष का विषय है। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को लंबी आयु और अपार शक्ति प्रदान करें, ताकि वे इसी प्रकार निस्वार्थ भाव से हरियाणा प्रदेश की सेवा करते रहें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है और समाज के अंतिम व्यक्ति तक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुँच रहा है। हवन यज्ञ के दौरान विधायक ने इन्द्री विधानसभा क्षेत्र सहित पूरे हरियाणा प्रदेश में शांति, खुशहाली और निरंतर विकास के लिए भी प्रार्थना की। इस अवसर पर मार्किट कमेटी चेयरमैन महेन्द्र प्रेमी व दीपक सैनी, पूर्व चेयरमैन अमित गोयल , मंडल अध्यक्ष विजय कश्यप व संजय कंबोज, पार्षद सेठ पाल वर्मा व राजेन्द्र मिढा, कष्ट निवारण समिति सदस्य पाला राम, सरपंच शमशेर व श्याम, पवन सिंगला, सतीश भाटिया, सुभाष खेड़ा, कृष्ण सैनी, अनुराग वर्मा,चेयरमैन प्रतिनिधि बलिंद्र कटारिया , मंडल उपाध्यक्ष अनुज गर्ग , जय प्रकाश गोयल,संजय शर्मा,बलजीत राणा सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी हवन में आहुति डाली और मुख्यमंत्री को उनके जन्मदिन की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं प्रेषित की।

मनरेगा योजना को बंद करने की सरकार द्वारा सोची समझी साजिश : शमशेर सिंह गोगी

मूनक, 25 जनवरी (जय भगवान) : असंध विधानसभा क्षेत्र के गांव मूनक बाल्मीकि धर्मशाला में कांग्रेस पार्टी के पूर्व विधायक शमशेर सिंह गोगी ने एक मीटिंग का आयोजन किया गया। इस मीटिंग के माध्यम से

उन्होंने मनरेगा योजना को लेकर केंद्र की बीजेपी सरकार द्वारा रची जा रही साज़िशों से नागरिकों को अवगत कराने के उद्देश्य से जागरूकता बैठक की गई। बैठक के दौरान केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ़ एकजुट होकर कड़ा विरोध दर्ज कराया गया तथा मनरेगा जैसी जनकल्याणकारी योजना को कमजोर करने के हर प्रयास की निंदा की गई।कांग्रेस पार्टी गरीब, मजदूर और किसान के अधिकारों की रक्षा के लिए सड़क से लेकर संसद तक पूरी ताक़त और प्रतिबद्धता के साथ संघर्ष करती रहेगी। इस बैठक में फोम सिंह राजीव गांधी पंचायत राज योजना हरियाणा, सुरजीत राणा पूर्व चेयरमैन, जितेंद्र चोपड़ा, जसबीर सरपंच एंचला, तेजेंद्र सिंह सरपंच खेरी मूनक, रामफल शर्मा, खेम चंद ओड, सुखबीर मान सरदार बलिहार सिंह सरदार रविन्द्र उर्फ सनी, राजेश सिरसवाल, हरिओम नागर असंध , मूलचंद, प्रदीप तथा गांव मूनक के मजदूर और कमेरा वर्ग के व्यक्तियों द्वारा इस बैठक में भाग लिया।

जिला शिक्षा अधिकारी (स) बरनाला ने वीर गाथा प्रोजेक्ट के जिला लेवल के नतीजों की घोषणा की

बरनाला, 25 जनवरी (सुखविंदर सिंह भंडारी) शिक्षा विभाग पंजाब की तरफ से जारी निर्देशों के मुताबिक, जिला शिक्षा अधिकारी (स) सुनीतिंदर सिंह और डिप्टी जिला शिक्षा अधिकारी (स) बरजिंदरपाल सिंह की लीडरशिप में, हेडमास्टर हरीश कुमार नोडल ऑफिसर की देखरेख में, जिला बरनाला के स्कूलों के स्टूडेंट्स ने डी वीर गाथा प्रोजेक्ट के तहत ऑनलाइन मोड से एक्टिविटी कॉम्पिटिशन करवाए। इस बारे में जानकारी देते हुए हरीश कुमार नोडल ऑफिसर ने बताया कि इन कॉम्पिटिशन के चार लेवल तय किए गए थे। जिला स्तर के नतीजे जारी करते हुए जिला शिक्षा अधिकारी (एस) सुनीतिंदर सिंह, उप जिला शिक्षा अधिकारी (एस) बरजिंदरपाल सिंह और हेडमास्टर हरीश कुमार नोडल अधिकारी ने बताया कि कक्षा 3 से 5 तक, 6वीं से 8वीं के स्तर में गुरसिमरन सिंह सप्रस द्रका, 6वीं से 8वीं के स्तर में परवनदीप कौर शहीद जशनदीप सिंह सरां सहस नैनेवाल, 9वीं से 10वीं के स्तर में लखवीर सिंह लाला जगत नाथ बांसल सर्वितकारी विद्या मंदिर धनौला और 11वीं से 12वीं के स्तर में प्रिया वर्मा सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल संधू पत्ती बरनाला ने पहला स्थान हासिल किया है। पहला स्थान हासिल करने वाले छात्रों और उन्हें तैयारी कराने वाले अध्यापकों को बधाई दी गई।

पंजाब कृषि विभाग द्वारा अनधिकृत ऑनलाइन कीटनाशक व्यापार पर शिकंजा; किसानों के लिए एडवाइजरी जारी

बरनाला, 25 जनवरी (सुखविंदर सिंह भंडारी) राज्य के किसानों को गुणवत्तापूर्ण और असली कृषि रसायनों की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए पंजाब कृषि एवं किसान कल्याण विभाग ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए ऑनलाइन प्लेटफार्मों के माध्यम से हो रही कीटनाशकों की अनधिकृत बिक्री पर पूर्ण रोक लगा दी है। विभाग ने अंतर- राज्यीय व्यापारिक नियमों को और सख्त करते हुए स्पष्ट किया है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। नरिंदर सिंह बेनीपाल, संयुक्त निदेशक कृषि (पौध संरक्षण) ने कहा कि हम नकली और घटिया दर्जे के कृषि उत्पादों से किसानों को बचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। पारदर्शी मार्केट सिस्टम बनाए रखने के लिए नियमों का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।बेनीपाल ने बताया कि विभाग की जांच में यह सामने आया था कि कुछ ऑनलाइन प्लेटफॉर्म डीलरों के बीच अनधिकृत व्यापारिक गतिविधियों का केंद्र बन रहे थे। विभाग के तुरंत हस्तक्षेप के बाद, इन कंपनियों ने अनधिकृत बिक्री बंद कर दी है। अब यह व्यापार केवल नियमित और विभाग द्वारा अनुमोदित चैनलों के माध्यम से ही हो सकेगा।बेनीपाल ने राज्य के सभी मुख्य कृषि अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे डीलरों के साथ बैठकें करके कुछ नियम सख्ती से लागू करवाएं, जिसमें कोई भी डीलर राज्य से बाहर की इकाइयों के साथ बिना आधिकारिक परमिट के कीटनाशकों का लेनदेन नहीं करेगा। कीटनाशकों की खरीद केवल पंजाब सरकार द्वारा लाइसेंस प्राप्त स्रोतों से ही होनी चाहिए और यदि कोई डीलर अनधिकृत ऑनलाइन या बाहरी राज्यों के व्यापार में शामिल पाया जाता है, तो उसका लाइसेंस तुरंत रद्द कर दिया जाएगा। किसानों के लिए विशेष सलाह देते हुए कृषि विभाग ने किसान भाईचारे को भी सचेत किया है। किसानों से अपील की गई है कि कीटनाशक हमेशा लाइसेंस प्राप्त डीलरों से ही खरीदें। खरीद के समय डीलर से पक्का बिल जरूर लें और यदि उत्पाद की गुणवत्ता में कोई समस्या आती है, तो बिल के आधार पर विभाग तुरंत कार्रवाई कर सकता है।

मेरा वोट, मेरा अधिकार। डेमोक्रेसी को मज़बूत करने के लिए बिना किसी लालच के अपने वोट के अधिकार का इस्तेमाल करें

बरनाला 25 जनवरी (सुखविंदर सिंह भंडारी) भारत में 25 जनवरी, 2011 से नेशनल वोटर्स डे मनाया जा रहा है। लोगों को वोटिंग की अहमियत बताने और एक खुशहाल समाज बनाने के लिए हर वोटर को अपना वोट ज़रूर डालना चाहिए। अधिकार का इस्तेमाल करना ज़रूरी है।इस मौके पर बोलते हुए, सोशल वर्कर अशोक कुमार भारद्वाज ने कहा कि हर वोटर को अपने वोट के अधिकार का इस्तेमाल ज़रूर करना चाहिए। उन्होंने कहा कि दुनिया के डेमोक्रेटिक देशों में वोटर पूरे जोश के साथ चुनाव में हिस्सा लेते हैं, लेकिन भारत में वोटर वोट देते समय उतना कमिटमेंट नहीं दिखाते जितना डेमोक्रेसी में ज़रूरी है।एनवायरनमेंटलिस्ट तरविंदर सिंह मैकलाइफ डेयरी वाले ने कहा कि पिछले लोकसभा चुनाव में एवरेज लगभग 40 परसेंट वोटरों ने अपने वोट का इस्तेमाल नहीं किया। वोट का अधिकार हर नागरिक का कानूनी और इंसानी अधिकार है। डेमोक्रेसी को मज़बूत करने के लिए हर वोटर को अपने वोट का इस्तेमाल करना चाहिए।समाजसेवी और पर्यावरणविद एस पी कौशल ने कहा कि अगर देश मजबूत होता है, तो समाज भी मजबूत होता है। उन्होंने कहा कि 2024 में हुए चुनावों में 90 करोड़ से ज़्यादा वोटरों में से करीब 40 परसेंट ने वोट डाला है। वोट का इस्तेमाल नहीं हुआ, जो चिंता की बात है।इस बीच, इंडियन फैशन के मनीष गोयल ने अपनी राय देते हुए कहा कि यह बहुत दुख की बात है। ट्रेंड यह है कि 35 से 40 परसेंट वोटर ऐसे हैं जिन्हें अपने वोट की अहमियत नहीं पता और वे वोट देने नहीं जाते। हर वोटर को देश की मजबूती के लिए अपने वोट का सही इस्तेमाल करना चाहिए।पूर्व प्रेसिडेंट म्युनिसिपल काउंसिल बरनाला संजीव शोरी ने वोटरों से अपील की कि अगर कुछ नेता वोटरों को पैसे या ड्रग्स का लालच देकर वोट खरीदने की कोशिश करते हैं, तो हमें ऐसे नेताओं का बॉयकॉट करना चाहिए।

रक्तदान शिविर का आज किया जाएगा आयोजन

पिंजौर, 25 जनवरी (अजीत सिंह,अख्तर फ़ारूक़ी): ऑर्बिटल एकेडमी के संचालक आरिफ ने जानकारी देते हुए बताया कि आज 26 जनवरी (गणतंत्र दिवस) के अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर गुग्गा माड़ी नं. 1, रज्जिपुर में लगाया जाएगा। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 9:30 बजे ध्वजारोहण समारोह से होगी । रक्तदान शिविर सुबह 10 बजे से शुरू किया जाएगा। इस रक्तदान शिविर का आयोजन भगत रौनकी राम मेमोरियल सेवा सोसायटी, श्री शिव कांवड़ सेवा संघ, न्यू जनरेशन यूथ क्लब एवं हिम वेदा हर्बल्स के सहयोग से किया जा रहा है।

राष्ट्रीय बालिका दिवस गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित किया

कालका,25 जनवरी (निस): भारत में राष्ट्रीय बालिका दिवस प्रतिवर्ष 24 जनवरी को मनाया जाता है। इसकी शुरुआत 2008 में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय और भारत सरकार द्वारा भारतीय समाज में लड़कियों के साथ होने वाली असमानताओं के बारे में जन जागरूकता फैलाने के लिए की गई थी। सब डिविजनल कोर्ट कालका के आदेश अनुसार गांव चरणियां में सरपंच सविता व प्रधानाचार्य के माध्यम से वीनू कंवर लीगल एड एडवोकेट ने एक लीगल लिटरेसी जन जागृति कैंप राष्ट्रीय बालिका दिवस जो गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित किया । विद्यालय

के शिक्षा छात्र छात्रों के उपस्थिति में राष्ट्रीय बाल दिवस की शुभकामनाएं दी गई ।हर बेटी को सशक्त बनाना, एक मजबूत भारत का निर्माण करना ।आज की बेटी केवल चूल्हा-चौका तक सीमित नहीं है7 यह दिन हमें याद दिलाता है कि जब एक लड़की को सुरक्षा, शिक्षा, पोषण और सम्मान मिलता है, तो पूरा राष्ट्र मजबूत होता है। राष्ट्रीय बालिका दिवस 2026 विशेष रूप से महत्वपूर्ण होगा क्योंकि आज की बालिका कल की डॉक्टर, वैज्ञानिक, उद्यमी और रक्षा अधिकारी है।भारत में बालिकाओं को लड़कों के समान ही कानूनी और संवैधानिक अधिकार प्राप्त हैं, जो उन्हें सुरक्षा, समानता, शिक्षा और स्वास्थ्य प्रदान करते हैं। मुख्य अधिकारों में शिक्षा का अधिकार (6-14 वर्ष), 18 वर्ष से पहले विवाह के विरुद्ध संरक्षण (बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006), पैतृक संपत्ति में सम्मान अधिकार, और शारीरिक व यौन शोषण के खिलाफ सुरक्षा शामिल है। कानून की नजर में बेटा और बेटी बराबर हैं। उन्हें सम्मान अवसर, शिक्षा और सम्मान पाने का हक है। यौन और शारीरिक सुरक्षा- पॉक्सो अधिनियम के तहत बालिकाओं को हर तरह के यौन अपराधों और शोषण से सुरक्षा प्राप्त है। कन्या भ्रूण हत्या के खिलाफ कानून- पीसीपीएनडीटी अधिनियम, 1994 के तहत जन्म से पहले लिंग निर्धारण या गर्भपात कराना एक दंडनीय अपराध है। इसी के साथ मुफ्त कानूनी सहायता के बारे जानकारी दी ।नालसा (राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण) व नालसा ऐप कमजोर और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को निशुल्क कानूनी सहायता प्रदान करता है। यह अधिनियम, 1987 के तहत बनाया गया है और इसका उद्देश्य समाज के जरूरतमंद वर्गों तक न्याय की पहुंच सुनिश्चित करना है। आप 15100 डायल करके या ऑनलाइन आवेदन करके सहायता प्राप्त कर सकते हैं। नि:शुल्क कानूनी सेवाएँ प्राप्त करने के लिये पात्र व्यक्ति महिलाएँ और बच्चे अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के सदस्य औद्योगिक कामगार सामूहिक आपदा, हिंसा, बाढ़, सूखा, भूकंप, औद्योगिक आपदा के शिकार। विकलांग व्यक्तियों,हिरासत में उपस्थित व्यक्ति,वे व्यक्ति जिनकी वार्षिक आय संबंधित राज्य सरकार द्वारा निर्धारित राशि से कम हो और बताया कि सब डिविजनल कोर्ट कालका जिला पंचकुला में लीगल एड सर्विसेज के फ्रंट ऑफिस मौजूद हैं। नालसा हालसा की स्कीम्स से संबंधित और गरीब , औरतें, बच्चे अन्य मुफ्त कानूनी सहायता प्राप्त कर सकते हैं ।

सेंट विवेकानंद मिलेनियम स्कूल में भारत का संविधान 75 वर्ष, विशेष सत्र का आयोजन

पिंजौर,25 जनवरी (अजीत सिंह,अख्तर फ़ारूक़ी): विद्यालय सेंट विवेकानंद मिलेनियम स्कूल एचएमटी टाउनशिप, पिंजौर में भारतीय संविधान 75 वर्ष ; के उपलक्ष्य में एक विशेष जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट चंडीगढ़ में जॉइंट रजिस्ट्रार नवीन शर्मा अंशुमान द्वारा विद्यार्थियों को संविधान के महत्व, उसके मूल सिद्धांतों, नागरिकों के अधिकारों एवं कर्तव्यों की विस्तृत जानकारी कक्षा नवमी एवं ग्यारहवीं के विद्यार्थियों की दी गई। भारत के संविधान के प्रत्येक चैप्टर पर प्रसिद्ध चित्रकार नन्दलाल बोस व शान्तिनिकेतन से जुड़े अनेक चित्रकारों द्वारा 1950 में बनाई गई चित्रावली को पावर प्वाइंट प्रस्तुती के माध्यम से दिखाकर विद्यार्थियों को समझाया गया। इस प्रकार संविधान के प्रत्येक चैप्टर को विस्तार से बताकर चर्चा की गई और विद्यार्थीयों की जिज्ञासा का समाधान भी किया गया। नवीन ने बताया कि इस चित्रावली में भारत के 5000 वर्षों का ऐतिहासिक चित्रण किया गया है। जिसको महात्मा गांधी और डाज़राजेन्द्र प्रसाद ने भी सराहा था। यह भी चर्चा में आया कि गत 75 वर्षों से किस प्रकार भारत को बनाने में संविधान की महत्वपूर्ण भूमिका रही है और कैसे यह भारत का प्रत्येक दिशा में मार्गदर्शन करता है। दूसरा विषय में नवीन ने वोट की ताकत पर चर्चा करते हुए राष्ट्रीय वोटिंग दिवस के महत्व के बारे में समझाया। इस वर्ष हम 15वां वोटिंग दिवस 25 जनवरी 2026 को मना रहे हैं। वोट हमारे पास एक ताकत के रूप में है, यह दिवस हमें भारत की लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जुड़ने का मौका देता है। हमें वोट देने को अपना कर्तव्य समझना चाहिए और अनेक कार्यक्रम करते हुए अधिक से अधिक युवाओं को इसकी शक्ति लोकतंत्रात्मक सुन्दरता और महत्व का अहसास कराना चाहिए। अनेक महत्वपूर्ण वाक्य भी बताए गए जैसे - वोट फार पावर, वोट फार डवलपमेंट, वोट फार नेशन। वन वोट कैन ट्रांसफार्म दी कन्ट्री ।नो वोटर शुड भी लैफ्ट।--मैं वोट करूंगा और करवाऊंगा ।हम मिलकर लोकतंत्र के उत्सव को मनाएं ।एक वोट,अनेक वोट।-वोट मेरी ताकत है और मैं इसका सही उपयोग करूंगा आदि। इस प्रकार विद्यार्थियों ने भी अनेक प्रश्न पूछे और वोट के महत्व को समझा ।इस सत्र में रजनीश मगोतरा सहायक प्रोफेसर इंजीनियरिंग कॉलेज जम्मू ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई ।विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ . पीयूष पुंज द्वारा उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक सत्र के लिए दोनों वक्ताओं का आभार व्यक्त किया तथा कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में संवैधानिक मूल्यों, राष्ट्रप्रेम एवं जिम्मेदार नागरिकता की भावना को मजबूत करते हैं।

आज का वोट, कल का भारत

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर रायपुररानी महाविद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम, संवैधानिक मूल्यों पर चर्चा

रायपुररानी, 25 जनवरी (देवेन्द्र सिंह): राजकीय महाविद्यालय रायपुररानी में राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर कानूनी प्रकोष्ठ के

तत्वावधान में एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. अपराजिता हुड्डा ने की। उन्होंने अपने संबोधन में मताधिकार के महत्व पर जोर देते हुए छात्र-छात्राओं से स्वतंत्र, निष्पक्ष और जिम्मेदार मतदान करने का आग्रह किया। इस अवसर पर कानूनी प्रकोष्ठ के संयोजक डॉ. सुनीत दत्त शर्मा ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती संवैधानिक मूल्यों की समझ और सोच-समझकर किए गए मतदान पर निर्भर करती है। वहीं, एनसीसी एएनओ डॉ. यशवीर ने युवाओं को अनुशासन के साथ अपने नागरिक दायित्वों के पालन के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों से मतदाता शपथ भी दिलवाई गई।

मानव सेवा संघ परिसर में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर, 20 जरूरतमंदों की हुई स्वास्थ्य जांच

करनाल, 25 जनवरी (संदीप रोहिला): मानव सेवा संघ के पवित्र प्रांगण में अर्पणा ट्रस्ट के सेवाभावी डॉक्टरों द्वारा सभी रोगों की जांच एवं

निदान हेतु एक निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। खराब मौसम और बारिश के बावजूद लगभग 20 जरूरतमंद रोगी अपनी स्वास्थ्य जांच कराने के लिए मानव सेवा संघ पहुंचे। शिविर में सभी रोगियों की गहन स्वास्थ्य जांच की गई तथा उन्हें नि:शुल्क दवाइयां वितरित की गईं। जांच उपरांत × मरीज आंखों के ऑपरेशन के लिए उपयुक्त पाए गए, जिन्हें नि:शुल्क ऑपरेशन हेतु अर्पणा ट्रस्ट अस्पताल भेजा गया। इस अवसर पर स्वामी प्रेममूर्ति ने सभी मरीजों एवं डॉक्टरों की टीम को अपना आशीर्वाद प्रदान किया। कार्यक्रम में उनके साथ डा. भगत राम खण्डवाल एडवोकेट, मोहिन्दर नरवाल, राजेंद्र तथा हर्ष सहित अन्य गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे। यह शिविर मानव सेवा और समाजसेवा की भावना का उत्कृष्ट उदाहरण रहा, जिससे जरूरतमंदों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल सका। डा. भगत राम खण्डवाल एडवोकेट ने बताया कि अर्पणा ट्रस्ट के सेवाभावी डॉक्टरों द्वारा सभी रोगों की जांच एवं निदान हेतु अगला निशुल्क चिकित्सा शिविर 23 फरवरी 2026 को मानव सेवा संघ के पवित्र प्रांगण में आयोजित किया जाऐगा। जरूरतमंद व्यक्ति इस कैंप में आकर निशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं उपचार करवा सकते है।

बिना किसी प्रलोभन या दबाव के करें अपने मताधिकार का प्रयोग : जिला उद्यान अधिकारी

करनाल, 25 जनवरी (सुमनलता): राष्ट्रीय मतदाता दिवस के उपलक्ष्य में आज हरियाणा हॉर्टिकल्चर ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, उचानी में एक उत्साहपूर्ण और प्रेरणादायक मतदाता शपथ समारोह का आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण अवसर पर जिला उद्यान अधिकारी, करनाल ने संस्थान के समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों और स्टाफ सदस्यों की उपस्थिति में कार्यक्रम की अध्यक्षता की। उन्होंने सभी को लोकतंत्र की नींव को और मजबूत करने के लिए निष्पक्ष, निर्भीक और जिम्मेदार मताधिकार के प्रयोग की शपथ दिलाई। अपने संबोधन में जिला उद्यान अधिकारी ने कहा कि प्रत्येक भारतीय नागरिक का यह कर्तव्य है

कि वह बिना किसी प्रलोभन, दबाव या लालच के अपने मताधिकार का प्रयोग करे। साथ ही, वह अपने आसपास के अन्य नागरिकों को भी मतदान के महत्व के प्रति जागरूक करे और लोकतंत्र में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करे। हमारा एक वोट ही देश की दिशा और दशा तय करने की ताकत रखता है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने एक स्वर में लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा, संविधान के प्रति अटूट निष्ठा और निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया को मजबूत बनाने का दृढ़ संकल्प लिया। शपथ ग्रहण के साथ ही सभी ने मेरा भारत, मेरा वोट की भावना को आत्मसात किया, जो इस वर्ष के राष्ट्रीय मतदाता दिवस की प्रमुख थीम भी है। समारोह पूरे शांतिपूर्ण, अनुशासित और उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। जिसमें हरेक व्यक्ति ने मतदाता जागरूकता के इस संदेश को दिल से अपनाया। यह आयोजन न केवल संस्थान के कर्मचारियों के बीच मतदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने में सफल रहा, बल्कि यह भी दर्शाता है कि सरकारी विभाग और संस्थान लोकतंत्र की मजबूती में कैसे सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

हरप्रीत कम्बोज : हरियाणा के छोटे से गांव से देश के विभिन्न प्रदेशों के क्रिकेट खिलाड़ियों की बड़े सपनों की उड़ान

रतिया,25 जनवरी (अमन सेठी): पानी के बहाव के साथ तो सब बहते हैं, लेकिन पानी के विपरीत जो बहकर तैर जाए वही असली तैराक होता है। यही कहानी है हरप्रीत कम्बोज की, जो हरियाणा के रतिया व भूना के बीच एक छोटे से गांव सिंथला में क्रिकेट एकेडमी चलाकर देश के विभिन्न प्रदेशों से आए खिलाड़ियों को बेहतरीन कोचिंग देकर उनके सपनों को पंख लगा उन्हें क्रिकेट में एक मुकाम हासिल करने के लिए बेहतरीन क्रिकेट खिलाड़ी बना रहे हैं, इतना ही नहीं छोटे गांव का छोटी उम्र का यह कोच हरप्रीत सिंह इंग्लैंड के अनुभवी कोच जान कैप्स के साथ बतौर सहायक कोच के रूप में काम कर चुके हैं। हरप्रीत कम्बोज के अनुसार वह पिछले नौ वर्षों से प्रोफेशनल क्रिकेटर कोच के रूप में कार्य कर रहे हैं। उनकी एकेडमी में हरियाणा, पंजाब, बिहार, यूपी, जम्मू कश्मीर, राजस्थान जैसे प्रदेशों से खिलाड़ी क्रिकेट के गुर सीखने आते हैं। हरप्रीत के अनुसार उनसे कोचिंग लेने वाले भारत के विभिन्न प्रदेशों के खिलाड़ी जिनमें सरीता मागर (नेपाल अंतराष्ट्रीय महिला टीम), संदीप सिवाच (अरुणाचल रंनजी खिलाड़ी), गुरप्रीत सिंह (-19 स्टेट) ऐसे बड़े लेवल क्रिकेट प्रतियोगिता में अपनी पहचान बन चुके हैं ।हरप्रीत बताते हैं कि वो सुबह से शाम तक खिलाड़ियो के साथ ग्राउंड में रहते हैं। उन्होंने खिलाड़ियो के रहने के लिए हास्टल व पढ़ाई की व्यवस्था भी कर रखी है। उनकी एकेडमी में आधुनिक प्रेक्टिस सुविधाए जैसे बालिंग मशीन, जिम की सुविधा, 24 घंटे प्रेक्टिस की सुविधा उपलब्ध है ।हरप्रीत कम्बोज खुद (आई सी सी) द्वारा प्रमाणित क्रिकेट कोच है और स्ट्रेंथ व कंडिशनिंग (ए सी एस एम) प्रमाणित ट्रेनर भी हैं। उन्होंने 2022-2023 में इंग्लैंड के अनुभवी कोच जान केप्स के साथ भी बतौर सहायक कोच काम किया है। हरप्रीत की इस प्रेरणादायक कहानी से यह सीखने को मिलता है कि अगर हम अपने काम के प्रति समर्पित हों और मेहनत करें, तो कुछ भी असंभव नहीं है। क्योंकि जहां यह छोटे से गांव में जन्म और इंग्लैंड के अनुभवी कोच के साथ सहायक कोचिंग कर चुके हैं और उनके गांव की अकादमी में अनेक प्रदेशों के खिलाड़ियों का कोचिंग लेने के लिए आना यह दर्शाता है कि हरप्रीत सिंह की कोचिंग में कुछ तो बात है।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर जिला स्तरीय कार्यक्रम में सम्मानित हुए पुंडरक के नौ बच्चे

निसिंग,25 जनवरी (जोगिंद्र सिंह): हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी जिला स्तरीय राष्ट्रीय मतदाता दिवस कार्यक्रम में श्री ईश्वर सिंह प्राध्यापक राजनीति विज्ञान के मार्गदर्शन में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पुंडरक के छात्रों का दबदबा रहाइन छात्रों ने जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं में

अच्छा प्रदर्शन करते हुए प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर कब्जा किया था जिन्हें आज प्रशस्ति पत्र एवं नगद इनाम देकर सम्मानित किया गया ।क्विज में भावना एवं काजल भाषण में अमन एवं निबंध लेखन में आंचल प्रथम स्थान पर रहे। निबंध लेखन में चंचल एवं पोस्टर मेकिंग में पारुल द्वितीय स्थान पर निबंध लेखन में मौसम एवं भाषण में पारुल तृतीय स्थान पर रहे । राष्ट्रीय चुनाव आयोग हर वर्ष भारतीय चुनाव आयोग के स्थापना दिवस 25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के रूप में मनाता है 7 और चुनाव में भागीदारी बढ़ाने के लिए लोगों को जागरूक करता है गौरतलब है की 25 जनवरी 1950 को भारतीय चुनाव आयोग की स्थापना की गई थी। चुनाव तहसीलदार सुदेश राणा ने बताया कि जागरूक मतदाता ही योग्य ईमानदार एवं मेहनती प्रतिनिधियों का चुनाव करके लोकतंत्र को मजबूत करके देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

राणा गुरजीत सिंह उत्तर प्रदेश के लिए एआईसीसी पर्यवेक्षक नियुक्त

कपूरथला, 25 जनवरी (निस) चल रहे संगठनात्मक पुनर्जीवन अभियान के तहत पार्टी ढांचे को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए कांग्रेस हाईकमान ने कपूरथला से विधायक राणा गुरजीत सिंह को उत्तर प्रदेश में जिला कांग्रेस कमेटी (डीसीसी) अध्यक्षों के चुनाव के लिए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) का पर्यवेक्षक नियुक्त किया है।इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए कांग्रेस हाईकमान के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए राणा गुरजीत

सिंह ने कहा कि पार्टी द्वारा उन पर जताया गया विश्वास उनके लिए गर्व की बात है। उन्होंने दृढ़ विश्वास व्यक्त किया कि यह अहम पहल जमीनी स्तर पर संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करेगी और कांग्रेस की विचारधारा, नीतियों तथा दृष्टिकोण को हर बूथ तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने में एक मील का पत्थर साबित होगी।

राणा गुरजीत सिंह ने आगे आशा व्यक्त की कि संगठनात्मक पुनर्जीवन अभियान के अंतर्गत उत्तर प्रदेश में कांग्रेस पार्टी को नई मजबूती मिलेगी और जमीनी स्तर पर पार्टी कैडर को और अधिक सशक्त किया जाएगा, जिससे आने वाले समय में पार्टी की राजनीतिक स्थिति और मजबूत होगी।

मशहूर पंजाबी गायक की नई एलबम को लेकर चर्चा

मोहाली 25 जनवरी (निस) पंजाबी गानों के जरिए हथियारों और नशे को बढ़ावा देने के आरोप पहले भी लगते रहे हैं, लेकिन अब एक नया मामला सामने आया है। इस बार एक पंजाबी गायक पर अफ़ीम रखने और उसका सेवन करने का आरोप लगाया गया है। आरोप है कि पंजाबी गायक प्रेम ढिल्लों चंडीगढ़ में करीब 40 ग्राम अफ़ीम अपने साथ लेकर घूमते और खाते हुए नज़र आए। शिकायतकर्ता का कहना है कि गायक के हाथ में जो काले रंग की चीज़ दिखाई दे रही है, वह अफ़ीम थी। शिकायत देने वाले व्यक्ति ने इस मामले में पर्चा दर्ज करने की मांग की है। अगर वह पदार्थ अफ़ीम नहीं है, तो प्रेम ढिल्लों का डोप टेस्ट करवाया जाना चाहिए। फिलहाल इस मामले को लेकर पुलिस की ओर से कोई बयान सामने नहीं आया है।

अमृतसर के इलाका कटरा शेर सिंह के समीप गोदाम मोहल्ला में चार मंजिला भवन ध्वस्त, परिवार बाल-बाल बचा

अमृतसर के इलाका कतरा शेर सिंह के नजदीक गोदाम मोहल्ला में चार मंजिली इमारतें गिरी परिवार वाले बाल बाल बचे जानी नुकसान का हुआ बचाव अमृतसर मधु राजपूत 25 जनवरी अमृतसर के इलाका कतरा शेर सिंह के नजदीक गोदाम मोहल्ला में चार मंजिली इमारत 24 जनवरी की रात को तकरीबन 9:00 बजे के पास गिरी और परिवार वालों ने वहां से भाग कर अपनी जान बचाई और परिवार की महिला राधा रानी ने प्रेस से बातचीत करते हुए कहा कि जब रात को अचानक इमारत हिल तब हमने भाग कर जान बचाई और हमारा लाखों का नुकसान हो गया है और हमारा जितना भी सामान था घरेलू बरतने वाला वह सब कुछ

दब गया है और जिसमें एक सिलेंडर भी दब गया है और जिसकी बदबू पूरे इलाके में फैल गई है और पूरे इलाके में दहशत का माहौल हो गया है उनको डर है कि सिलेंडर किसी भी समय फट सकता है और इसके बारे में अमृतसर के मेयर जितेंद्र मोती भाटिया को मैसेज भेज दिया गया है मगर अगले दिन 25 जनवरी को भी वहां से मालवा नहीं हटाया गया और जिसमें एडवोकेट गौरव जी बीजेपी के डॉक्टर राम चावला जी और आम आदमी पार्टी के सरदार सरदार मंगा जी ने वहां पर पहुंचकर मौके के हालात को देखा और उन्होंने परिवार वालों को आश्वासन दिया कि जलते ही उनकी सनी की जाएगी और सर्दी के मौसम में छोटे से बच्चे लेकर सभी का ध्यान रखा जाएगा और दूसरी और पारिवारिक महिला ने प्रशासन से हाथ जोड़कर गुहार लगाई कि कृपया करके हम गरीब वर्ग के लोगों का ध्यान रखा जाए ऊपर से इतनी सर्दी पड़ रही है ना हमारे पास कोई जगह है सोने के लिए हम गली में बैठे हुए हैं और ठंड में हम लोग बीमार हो रहे हैं हमारे पास तो कुछ नहीं बचा सारा सामान ही दब गया है जिसमें दो बाइक भी दब गई है और पास ही मंदिर का बहुत ही बुरा हाल हो गया है इसलिए हम गुजारिश कर रहे हैं कि कृपया करके जल्द हमारी और ध्यान दिया जाए ताकि हम फिर से अपने घरों में बसेरा कर सके।

मंदिर माता लाड़ी देवी जी में 14वां स्थापना दिवस कार्यक्रम आज, आज जागरण एवं कल हवन यज्ञ किया जाएगा

फाजिल्का, 25 जनवरी (बख्शीश सिंह/जसप्रीत सिंह) ~ फाजिल्का के मंदिर माता लाड़ी देवी में स्थापना दिवस की तैयारियां शुरू कर दी गई है । मंदिर को सुंदर सुंदर लाइटिंग से सजाया गया है । मंदिर माता लाड़ी देवी में आज महंत योगी श्री तेजनाथ जी महाराज,गुरु गोरक्षनाथ धाम (इस्माइलाबाद) हरियाणा वाले 50 साल बाद फाजिल्का में श्रद्धालुओं को देंगे दर्शन ।मंदिर माता लाड़ी देवी फाजिल्का में 14 वां स्थापना दिवस को लेकर मंदिर में तैयारियां शुरू हो गई है ।जानकारी देते महंत केवल कृष्ण वर्मा, सोनू वर्मा ने कहा कि 14 वें स्थापना दिवस पर महंत योगी श्री तेजनाथ जी महाराज 50 साल बाद फाजिल्का में श्रद्धालुओं को दर्शन व आशीर्वाद

देगें। उन्होंने कहा हर साल की तरह इस साल भी मंदिर माता लाड़ी देवी में 14 वां स्थापना दिवस 26 व 27 जनवरी को धूमधाम मनाया जा रहा है । उन्होंने कहा कि श्री श्री 1008 बाबा भोलेनाथ जी महाराज व ब्रह्मलीन श्री योगिराज सतगुरु गिरधारी नाथ जी महाराज जी की असीम कृपा से फाजिल्का में मंदिर माता लाड़ी देवी में 14 वां स्थापना दिवस समारोह महायोगी गुरु गोरखनाथ जी महाराज एवं ज्योति स्वरूप जगजननी माँ जवाला जी का भगवती जागरण करवाया जा रहा है ।उन्होंने कहा कि 26 जनवरी को महंत योगी श्री तेजनाथ जी महाराज,गुरु गोरक्षनाथ धाम (इस्माइलाबाद) हरियाणा मुख्य अतिथि के रूप में पहुँचगे और श्रद्धालुओं को आर्शीवाद देगें ।इस मोके पर मंहत केवल कृष्ण व सोनू वर्मा ने बताया कि 26 जनवरी सोमवार को दुपहर 1.15 पर शोभायात्रा प्राम्भ होगी। उन्होंने कहा कि की 26 जनवरी सोमवार रात को 8 बजे पूजा की जाएगी व 9 बजे महंत योगी श्री तेजनाथ जी महाराज द्वारा ज्योति प्रचंड की जाएगी ।

अमृतसर में हेरिटेज स्ट्रीट पर पड़ गया पंगा, अचानक पहुंची पुलिस ने की कार्रवाई

अमृतसर 25 जनवरी (निस) हैरीटेज स्ट्रीट और मुख्य बाजारों में दुकानदारों द्वारा किए गए अवैध अतिक्रमणों की विगत दिवस पंजाब केसरी में प्रकाशित हुई खबर का असर तब देखने को मिला, जब एस्टेट विभाग ने तुरंत कार्रवाई करते हुए अवैध कब्जों को हटवाया। नगर निगम के एस्टेट विभाग के अधिकारी सुशांत भाटिया ने बताया कि आज उनकी टीम और पुलिस ने शहर के विभिन्न स्थलों से अवैध अतिक्रमण हटाने के लिए संयुक्त अभियान शुरू किया है। उन्होंने बताया कि नगर निगम कमिश्नर बिक्रमजीत सिंह शेरगिल और मेयर के निर्देशों के अनुसार हैरीटेज स्ट्रीट के अलावा नगर निगम की टीमों ने हॉल बाजार, रामबाग, चित्रा सिनेमा चौक से रामबाग तक के आस-पास के गलियारों से भी अवैध अतिक्रमण हटाए और उनका सामान जब्त कर लिया। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि दोबारा ऐसे अवैध अतिक्रमण किए गए तो उनके खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि श्री हरिमंदिर साहिब की ओर जाने वाली हैरीटेज रोड व फुटपाथों पर लगाए गए कपड़ों के स्टैंड, जूतों के रैक और अन्य सामान जब्त कर लिए गए हैं और कई दुकानदारों पर मौके पर ही भारी जुर्माना लगाया गया है।

धमौली में दस लाख मुख्यमंत्री सेहत योजना की शुरुआत

डॉ. चरणकमल सिंह की अगुवाई में वार्ड नंबर 21 में कैंप आयोजित गुरप्रीत धमोली बोले—घर-घर बनेंगे स्वास्थ्य योजना कार्ड

राजपुरा, 25 जनवरी (राजिंदर सिंह कंबोज) वार्ड नंबर 21 गांव धमोली में ब्लॉक और वार्ड इंचार्ज डॉक्टर चरणकमल सिंह धीमान की अगुवाई में 10 लाख मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना की शुरुआत की गई। इस मौके पर आम आदमी पार्टी ट्रेड विंग के जिला प्रधान गुरप्रीत सिंह धमोली विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर गुरप्रीत सिंह धमोली ने कहा कि पंजाब सरकार द्वारा हर परिवार को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए यह योजना एक ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने बताया कि हर वोटर का 10 लाख रुपये तक इलाज के

लिए मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना कार्ड घर-घर जाकर बनाया जाएगा, ताकि कोई भी व्यक्ति इलाज से वंचित न रहे।उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार जनता की भलाई के लिए प्रतिबद्ध है और स्वास्थ्य क्षेत्र में लगातार सुधार किए जा रहे हैं। इस मौके पर बड़ी संख्या में गांववासी और पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

चंडीगढ़ में बिजली बिलों को लेकर नया नियम हुआ लागू, पुराना सिस्टम किया खत्म

चंडीगढ़ 25 जनवरी (निस) चंडीगढ़ पावर डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड (सीपीडीएल) ने शहर के घरेलू और गैर-घरेलू उपभोक्ताओं के लिए बिजली बिलिंग चक्र में बड़ा बदलाव करते हुए अब हर महीने बिल भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। 19 जनवरी से प्रभावी इस फैसले के साथ लंबे समय से चली आ रही द्वि-मासिक (दो महीने में एक बार) बिलिंग प्रणाली को समाप्त कर दिया गया है। संयुक्त विद्युत नियामक आयोग (जेईआरसी) के दिशा-निर्देशों के तहत लिए गए इस निर्णय का उद्देश्य उपभोक्ताओं को एक साथ भारी बिलों के बोझ से बचाना और बिलिंग प्रक्रिया में अधिक पारदर्शिता लाना है।कंपनी का मानना है कि अब निवासी हर महीने मीटर रीडिंग और खपत का सटीक हिसाब रख सकेंगे। इससे घरेलू बजट बिगड़ने का जोखिम कम होगा। सीपीडीएल के अनुसार यह बदलाव बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण और नई तकनीक को अपनाने का हिस्सा है। इस प्रणाली से न केवल मीटर रीडिंग में शुद्धता आएगी, बल्कि उपभोक्ताओं की शिकायतों का निपटारा भी तेजी से हो सकेगा। कंपनी ने स्पष्ट किया कि मासिक बिलिंग से उपभोक्ताओं को बिल भुगतान में सुविधा होगी और वे मोबाइल के माध्यम से भी डुप्लीकेट बिल प्राप्त कर सकेंगे।

ऑनलाइन गेमिंग के जरिये ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश, होटल के कमरे से...

बठिंडा 25 जनवरी (निस) थाना कोतवाली पुलिस ने ऑनलाइन गेमिंग के जरिये लोगों के साथ लाखों की ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए आधा दर्जन आरोपियों पर केस दर्ज करके 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कई मोबाइल फोन व 2 स्वैप मशीनें भी बरामद की हैं। आरोपी कुछ नौसरबाजों द्वारा ठगे गए 2 नंबर के पैसे को एक नंबर में भी कनवर्ट करते थे। जानकारी के अनुसार पुलिस को सूचना मिली थी कि एक गिरोह की ओर से मोबाइल फोन पर गेम्ज की ऐप डाऊनलोड करवाकर उन्हें पहले गेम में जितवा दिया जाता है व बाद में वह लोगों को अपने जाल में फंसा लेते थे। आरोपी उक्त लोगों के दस्तावेजों के आधार पर फर्जी खाते खुलवा लेते थे व उनमें पैसे ट्रांसफर करवाकर लोगों के साथ लाखों की धोखाधड़ी करते हैं। पुलिस ने इस मामले की पड़ताल करते हुए बठिंडा स्थित एक होटल अरमान में दबिश दी व मौके पर ही पुलिस ने 2 आरोपियों जसवीर सिंह निवासी खैरबल, राजस्थान व याहिया खान जिला मेवात, हरियाणा को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 13 मोबाइल फोन तथा 2 कार्ड स्वैप मशीनें भी बरामद की हैं जिनके जरिए ये आरोपी लोगों से पैसे ऐंठते थे।

ऑटो का इंतजार कर रहे व्यक्ति को बोलेरो ने कुचला, पत्नी के सामने ही तोड़ा दम

लुधियाना 25 जनवरी (निस) फोकल प्वाइंट इलाके में एक तेज रफ्तार बोलेरो पिकअप ने सड़क किनारे खड़े व्यक्ति को कुचल दिया। हादसे के वक्त पीड़ित अपनी पत्नी के साथ ऑटो का इंतजार कर रहा था। टक्कर इतनी जोरदार थी कि अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही पीड़ित ने दम तोड़ दिया। मृतक की पहचान राजिंदर सिंह (49), निवासी ताजपुर रोड़ के रूप में हुई है। पुलिस ने अज्ञात ड्राइवर के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दिए बयान में मृतक की पत्नी परमजीत कौर ने बताया कि रात करीब 9:30 बजे वे दोनों फेज-6, फोकल प्वाइंट स्थित दूध वाली फैक्ट्री के पास सड़क किनारे खड़े थे। वे घर जाने के लिए किसी ऑटो या वाहन का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान सामने से एक सफेद रंग की बोलेरो पिकअप आई, जिसका ड्राइवर गाड़ी को बेहद तेज रफ्तार और लापरवाही से चला रहा था। ड्राइवर ने सीधे राजिंदर सिंह को टक्कर मार दी।

इन्द्रप्रीत कौर दर्दी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक भारत देश हमारा ने जेएसडी पब्लिकेशन्स प्रा. लिमि. पटियाला के लिए मोर्चा प्रिंटर्स, एससीओ 3-4, चौंक दुखनिवारण साहिब , सरहिंद रोड पटियाला के कीपर जगजीत सिंह से छपवाकर कार्यालय भारत देश हमारा गुरू हरिकृष्ण पब्लिक स्कूल बिल्डिंग, पुरानी प्रेस रोड , पटियाला से प्रकाशित किया।
PRGI (RNI) Regd. No.42376/1985

देश को ग्लोबल नॉलेज सुपरपावर बनाने के लिए सभी तकनीकी संस्थानों को एक मंच पर आने का आहवान

राजपुरा, 25 जनवरी (राजिंदर सिंह कंबोज)पूरे भारत के लगभग 10,000 सेल्फ-फाइनेंस्ड बिना सरकारी मदद वाले टेक्निकल कॉलेजों को एक नेशनल प्लेटफॉर्म पर एकजुट होने का आह्वान करते हुए, स्नस्स्नञ्जड्ढ (ऑल इंडिया) और PUCA के प्रेसिडेंट डॉ. अंशु कटारिया ने इस बात पर ज़ोर दिया कि भारत को ग्लोबल नॉलेज और टेक्निकल एजुकेशन हब में बदलने के लिए सामूहिक प्रयास बहुत ज़रूरी हैं। उन्होंने संस्थानों से क्वालिटी एजुकेशन देने और ग्लोबल नॉलेज सुपरपावर के रूप में भारत की स्थिति को मज़बूत करने में सहयोग करने का आग्रह किया।महाराष्ट्र के ग्रामीण क्षेत्र में बिना सरकारी मदद वाले संस्थानों के मैनेजमेंट एसोसिएशन द्वारा अभिनव कॉलेज ऑफ लॉ (अभिनव चैरिटेबल ट्रस्ट) में एक मीटिंग आयोजित की गई थी और इसकी मेज़बानी श्री राजीव प्रताप और श्री रामदास ज़ोल ने की, जिन्होंने डॉ. अंशु कटारिया और स्नस्स्नञ्जड्ढ के जनरल सेक्रेटरी डॉ. के. वी. के. राव और देश भर के अन्य शिक्षाविदों और संस्थागत प्रतिनिधियों का स्वागत

किया। सेल्फ-फाइनेंस्ड संस्थान भारत की उच्च और टेक्निकल एजुकेशन की रीढ़ हैं छात्र कल्याण और संस्थागत स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए समय पर स्कॉलरशिप सहायता के साथ-साथ निष्पक्ष, पारदर्शी और स्थिर नीतियों का आह्वान किया। शैक्षणिक निरंतरता और वित्तीय स्थिरता बनाए रखने के लिए कॉलेजों को पोस्ट मैट्रिक स्कॉलरशिप फंड का सीधा वितरण ज़रूरी है।FSFTI के जनरल सेक्रेटरी डॉ. के. वी. के. राव ने तत्काल नीतिगत सुधारों की आवश्यकता पर प्रकाश डाला, खासकर एडमिशन कट-ऑफ तारीखों पर, और शैक्षणिक हितों की रक्षा के लिए पारसनाथ फैसले को चुनौती देने का समर्थन किया। मुख्य चर्चाएँ कॉलेजों को PMS वितरण, एडमिशन की समय सीमा, स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना के कार्यान्वयन और पैरामेडिकल और संबद्ध स्वास्थ्य पाठ्यक्रमों के लिए NEET की प्रयोज्यता पर केंद्रित थीं।डॉ. कटारिया बिना सरकारी मदद वाले सेल्फ-फाइनेंस्ड कॉलेजों के लिए एक प्रमुख राष्ट्रीय आवाज़ के रूप में उभरे हैं, जो सरकारों और नियामकों के सामने छात्र-केंद्रित नीतियों, सीधे स्कॉलरशिप हस्तांतरण और मज़बूत संस्थागत प्रतिनिधित्व की वकालत करते हैं।

पेंशन योजना को लेकर प्रशासन पर लगाया आरोप पेंशन प्राप्ति मोर्चा ने दी आंदोलन तेज करने की धमकी

मोहाली 25 जनवरी (निस) पुरानी पेंशन प्राप्ति मोर्चा पंजाब की राज्य स्तरीय बैठक राज्य संयोजक गुरजंट सिंह कोकरी, सह-संयोजक टहल सिंह सराभा और रणदीप सिंह (फतेहगढ़ साहिब) के संयुक्त नेतृत्व में संपन्न हुई। बैठक को संबोधित करते हुए मोर्चा नेताओं ने भगवंत मान सरकार की कड़ी आलोचना की। नेताओं ने कहा कि पंजाब सरकार द्वारा 1-1-2004 के बाद भर्ती कर्मचारियों पर पुरानी पेंशन योजना लागू करने में लगातार टालमटोल की नीति अपनाई जा रही है। इसी के विरोध में गणतंत्र दिवस के अवसर पर सभी जिलों में तिरंगा फहराने के दौरान पंजाब सरकार के नाम विरोध पत्र भेजे जाएंगे। मोर्चा नेताओं ने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी ने 2021 के विधानसभा चुनावों से पहले पंजाब के करीब 2 लाख एनपीएस कर्मचारियों से वादा किया था कि सत्ता में आने के बाद 1-1-2004 के बाद भर्ती सभी कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना का लाभ दिया जाएगा। लेकिन सरकार के चार साल पूरे होने के बावजूद अब तक एक भी कर्मचारी का जीपीएफ खाता नहीं खोला गया। उन्होंने कहा कि राजस्थान, छत्तीसगढ़, झारखंड और हिमाचल प्रदेश की सरकारें नई पेंशन योजना को समाप्त कर पुरानी पेंशन योजना लागू कर चुकी हैं, जबकि पंजाब सरकार इस मुद्दे पर पीछे हट रही है।

नेताओं ने यह भी आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी अन्य राज्यों में जाकर पुरानी पेंशन योजना लागू करने का जोर-शोर से प्रचार करती है, लेकिन पंजाब में एनपीएस कर्मचारियों के साथ बेईमानी की नीति अपनाई जा रही है, जिससे कर्मचारियों में भारी रोष है।

गुरदासपुर में पुलिस व तस्करों में मुकाबला, हथियार बरामद करने जा रहे थे, एक बदमाश जख्मी

हेरोइन तस्करी और स्नद्बह्म्द्बठ्ठद्द मामले का आरोपी पुलिस श्वठ्ठष्श्रह्वठ्ठह्लद्गह्म् में घायल

गुरदासपुर 24 जनवरी (निस) गुरदासपुर में पुलिस व बदमाश में मुठभेड़ की खबर सामने आई है। पंजाब पुलिस द्वारा शुरू किए गए ऑपरेशन प्रहार के तहत बीती देर शाम जलालवाला नहर के पास हथियार रिकवरी के लिए ले जाए गए पहले से गिरफ्तार बदमाश ने छुपाया हुआ पिस्तौल निकाल कर पुलिस पर गोली चला दी। जवाबी कार्रवाई के दौरान बदमाश के पैर में गोली लगी। घटना स्थल पर बार्डर रेंज संदीप गोयल और बटाला डॉ. महिताब सिंह पहुंचे। पुलिस की गोली से घायल आरोपी की पहचान जसकरण सिंह उर्फ जस वासी ग्रंथग? के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार आरोपी का संबंध गोलीकांड और हेरोइन तस्करी के मामलों से भी है। पत्रकारों को जानकारी देते हुए ष्ठढ्ढत्र बार्डर रेंज संदीप गोल ने कहा कि गत 6 दिसंबर को बटाला के स्टाफ रोड पर एक नौजवान पर गोली चली थी, जिसमें 2 युवकों घायल हो गए थे। थाना सिविल लाइन की पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। ष्ठढ्ढत्र ने आगे बताया कि एसएसपी बटाला के निर्देशों पर सीआईए और थाना सिविल लाइन की अलग-अलग टीमों का गठन किया गया था और जांच के दौरान इस मामले में जसकरण सिंह उर्फ जस वासी ग्रंथग और गुरभेज सिंह को दोषी पाया गया।

मतदान करते समय विवेक का ...

पृष्ठ एक का शेष ....में अपना नाम दर्ज कराने की अपील की। श्री मोदी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात में मतदाताओं को %लोकतंत्र की आत्मा% बताते हुए कहा, आज' मतदाता दिवसपर मैं अपने युवा साथियों से फिर आग्रह करूंगा कि वे 18 साल का होने पर मतदाता के रूप में खुद को जरूर पंजीकृत करें। संविधान ने हर नागरिक से जिस कर्त्तव्य भावना के पालन की अपेक्षा रखी है इससे वह अपेक्षा भी पूरी होगी और देश का लोकतंत्र भी मजबूत होगा। उन्होंने लोकतंत्र को जीवित रखने के लिए जमीनी स्तर पर काम करने वाले चुनावी प्रक्रिया से जुड़े लोगों की सराहना की। प्रधानमंत्री ने कहा कि आमतौर पर जब कोई 18 साल का हो जाता है, मतदाता बन जाता है तो उसे जीवन का एक सामान्य पड़ाव समझा जाता है। लेकिन, दरअसल यह अवसर किसी भी भारतीय के जीवन का बहुत बड़ा क्षण होता है। उन्होंने इसका जश्न मनाने की अपील की और कहा कि जिस प्रकार किसी के जन्मदिन पर उसे शुभकामनाएं दी जाती हैं, उसी प्रकार जब भी कोई युवा पहली बार मतदाता बने तो पूरा मोहल्ला, गांव या शहर एकजुट होकर उसका अभिनंदन करे और मिठाइयां बांटी जाएं। इससे लोगों में मतदान के प्रति जागरूकता बढ़ेगी।

सड़क हादसे में सात की मौत ....

का मौका भी नहीं मिला और उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और राहगीर मौके पर जमा हो गए। दुर्घटना के कारण हाईवे पर दोनों ओर लंबा जाम लग गया, जिससे करीब 5 किलोमीटर तक यातायात ठप हो गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत 108 एंबुलेंस और पुलिस को सूचना दी। खबर मिलते ही अमीरगढ़ पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से कार को काटकर शवों और घायलों को बाहर निकाला। सभी मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेजा गया है। वहीं 3 गंभीर घायल जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहे हैं। पुलिस ने ट्रैफिक बहाल कराने के साथ ट्रक चालक के खिलाफ लापरवाही और गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि ट्रक चालक की गंभीर लापरवाही और गलत दिशा में वाहन चलाना ही इस हादसे का मुख्य कारण है।

पुलिस सेवा मैडल

पृष्ठ एक का शेष...दिवस पर एसएसबी के 13 जांबाजों का नाम राष्?ट्रपति पुलिस पदक के लिए चयनित किया गया है। इसमें 2 जवानों को विशिष्?ट सेवाओं के लिए और 11 जांबाजों को सराहनीय सेवाओं के लिए राष्?ट्रपति पुलिस पदक से सम्?मानित किया गया है। बता दें एसएसबी का इतिहास आजादी के बाद के दौर से जुड़ा है। इसकी स्थापना 1963 में हुई थी, जब 1962 के युद्ध के बाद भारत को अपनी सीमाओं को और मजबूत करने की जरूरत महसूस हुई। शुरुआत में यह बल सीमावर्ती इलाकों में सुरक्षा के साथ-साथ स्थानीय लोगों के साथ भरोसे का रिश्ता बनाने पर केंद्रित था। समय के साथ इसकी भूमिका और दायरा दोनों बढ़ते गए। आज एसएसबी भारत-नेपाल और भारत-भूटान सीमा की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालता है।

तेजस्वी यादव ....

की पार्टी है, जो एक साफ विचारधारा पर चलती है, जिसकी जड़ें अंबेडकर, लोहिया, कर्पूरी और लालू के सिद्धांतों में हैं। आज बिहार की स्थिति को देखते हुए कानून-व्यवस्था के मुद्दे, पलायन और लड़कियों के साथ होने वाली परेशानी पर सरकार कहीं न कहीं चुप है जो चिंताजनक है।

हरियाणा सरकार

गणतंत्र के गौरव गान में, भारत की शान में,
आओ फहराएं तिरंगा, संविधान के सम्मान में

26 जनवरी, 2026

गणतंत्र दिवस

के अवसर पर देशवासियों को

हार्दिक शुभकामनाएं

"गणतंत्र दिवस की ढेरों शुभकामनाएं !
इस अवसर पर हम उन सभी महान विभूतियों को नमन करते हैं,
जिन्होंने हमारा संविधान बनाकर यह सुनिश्चित किया कि
हमारी विकास यात्रा लोकतंत्र, गरिमा और एकता पर आधारित हो।"

– नरेन्द्र मोदी